NCERT व CSAT पैटर्न पर आधारित

पूजा®

ट्वेंटी-20 डेज

सामान्य अध्ययन श्रृंखला

भारतीय इतिहास

IAS, PCS, NDA, CDS, SSC, B.Ed.
एवं अन्य परीक्षाओं हेतु उपयोगी

लेखक
ऋतेश कुमार सिंह

लेखन सहयोग
बी॰ के॰ सिंह (पी॰सी॰एस॰ एलाइड, लखनऊ)

नवजीवन प्रिन्टर्स एण्ड पब्लिशर्स
कंचन मार्केट (फर्स्ट फ्लोर) अस्पताल मार्ग, आगरा–282003
दूरभाष : (0562) ऑफिस : 2527212, 7088815000
E.mail : n_printers@dataone.in

मूल्य : ₹ 125.00

विषय-सूची

प्राचीन भारत

1.	प्रागैतिहासिक काल	5—8
2.	हड़प्पा सभ्यता	8—14
3.	वैदिक काल	15—27
4.	धार्मिक आन्दोलन	27—40
5.	मगध तथा मौर्य साम्राज्य	41—51
6.	मौर्योत्तर काल	51—58
7.	गुप्त साम्राज्य	58—67
8.	गुप्तोत्तर काल	67—77
9.	दक्षिण भारत तथा संगम वंश	77—83

मध्यकालीन भारत

1.	भारत पर अरबों एवं तुर्कों के आक्रमण	84—88
2.	गुलाम वंश या मामलूक वंश (1206—1290 ई.)	89—94
3.	खिलजी वंश (1290—1320 ई.)	94—98
4.	तुगलक वंश (1320—1412 ई.)	98—104
5.	सैय्यद वंश (1414—1451 ई.)	104—105
6.	लोदी वंश (1451—1526 ई.)	105—115
7.	विजयनगर साम्राज्य	116—122
8.	मुगल साम्राज्य (1526—1707 ई.)	122—155
9.	मराठा साम्राज्य	155—163

आधुनिक भारत

1.	मुगल साम्राज्य का पतन	164—166
2.	नवीन स्वायत्त राज्य	166—173
3.	यूरोपीय काल में भारतीय अर्थव्यवस्था	173—177
4.	यूरोपीय कम्पनियों का भारत आगमन	177—181
5.	1857 का विद्रोह	181—184
6.	सामाजिक एवं सांस्कृतिक पुनर्जागरण	184—189
7.	किसान आन्दोलन	189—191
8.	मजदूर एवं जनजातीय आन्दोलन	191—193
9.	भारतीय समाचार-पत्र एवं पत्रिकाएँ	193—195
10.	भारतीय स्वतन्त्रता आन्दोलन	195—217
11.	आजादी के बाद स्वतन्त्र भारत	217—220

भारतीय इतिहास

प्राचीन भारत

प्रागैतिहासिक काल

1. भारत में सबसे पहले किसने पाषाणयुगीन सभ्यता पर अनुसन्धान प्रारम्भ किया ?
(A) सी. जे. थाम्प्सन (B) राबर्ट ब्रूसफूट
(C) संकालिया (D) राखालदास बनर्जी

व्याख्या—(B) *भारतीय **भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण** के **राबर्ट ब्रूसफूट** को **1863** ई. में **मद्रास के पल्लवरम** से पहला भारतीय पुरापाषाण मिला तथा तभी से भारत में पाषाणयुगीन सभ्यता पर अनुसन्धान प्रारम्भ हुआ।*

2. सी. जे. थाम्प्सन किस देश के भूवैज्ञानिक हैं ?
(A) अमरीका (B) भारत
(C) इंग्लैण्ड (D) डेनमार्क

व्याख्या—(D) *डेनमार्क के राष्ट्रीय संग्रहालय के अध्यक्ष **सी. जे. थाम्प्सन** ने अध्ययन की सुविधा के लिए 1816 ई. में मानव के इतिहास को तकनीकी आधार पर तीन भागों में— 1. पाषाण काल, 2. धातु काल, 3. लौह काल में बाँटा है।*

3. पुरापाषाण काल के उपकरण किस स्थान से प्राप्त हुए हैं ?
(A) आदमगढ़ (B) कोल्डिहवा
(C) भीमबेटका (D) मेहरगढ़

व्याख्या—(C) *पुरापाषाणकालीन संस्कृति के अवशेष **सोहन नदी घाटी**, भोपाल के निकट **भीमबेटका** नामक स्थान, **बेलन घाटी** एवं **नर्मदा नदी घाटी** से प्राप्त हुए हैं।*

4. मध्य पाषाणकाल में पशुपालन के सबसे प्राचीनतम साक्ष्य किस स्थान से प्राप्त हुए हैं ?
(A) बागोर (B) बुर्जहोम
(C) मेहरगढ़ (D) सराय नाहर

व्याख्या—(A) *मध्य पाषाणकाल में पशुपालन के प्राचीनतम साक्ष्य **बागोर (राजस्थान)** तथा **आदमगढ़ (मध्य प्रदेश)** से प्राप्त हुए हैं।*

5. निम्नलिखित में से किस स्थान से मानव के अस्थिर पंजर प्राप्त हुए हैं ?
(A) आदमगढ़ (B) सराय नाहर
(C) कोल्डिहवा (D) गुफ्फकराल

व्याख्या—(B) *मध्य पाषाणकाल में मानव के अस्थि पंजर (शारीरिक ढाँचा) का सबसे पहले अवशेष प्रतापगढ़ (उत्तर प्रदेश) के **सराय नाहर** तथा **महदहा** से प्राप्त हुए हैं।*

6. नवपाषाण काल में किस स्थान से गर्तावास प्राप्त हुए हैं ?
(A) महदहा (B) मेहरगढ़
(C) बुर्जहोम (D) चिरौंद

व्याख्या—(C) *नवपाषाण काल में **बुर्जहोम** एवं **गुफ्फकराल** से **गर्तावास (गड्ढाघर)** प्राप्त हुए हैं। ये दोनों स्थान कश्मीर में स्थित हैं।*

7. निम्नलिखित में से किस स्थान से कृषि के प्राचीनतम साक्ष्य प्राप्त हुए हैं ?
(A) मेहरगढ़ (B) गुफ्फकराल
(C) बेलारी (D) आदमगढ़

व्याख्या—(A) *पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रान्त में स्थित **मेहरगढ़** से कृषि के प्राचीनतम साक्ष्य मिले हैं।*

8. प्रागैतिहासिक काल में किस स्थान से मानव के साथ कुत्तों को भी दफनाने का प्रचलन था ?
(A) चिरौंद (B) बुर्जहोम
(C) आदमगढ़ (D) संगनकल्लू

व्याख्या—(B) *बुर्जहोम (श्रीनगर) की खोज 1935 ई. में **डी. टेरा** तथा **पीटरसन** ने की थी। इस स्थल से मानव के कुछ शवाधान प्राप्त हुए हैं जिसमें कुत्ते की हड्डियाँ भी थीं।*

9. भारत में चावल के प्राचीनतम साक्ष्य कहाँ से प्राप्त हुए हैं ?
(A) आदमगढ़ (B) मेहरगढ़
(C) कोल्डिहवा (D) सराय नाहर

व्याख्या—(C) *चावल का प्राचीनतम साक्ष्य (7000-6000 ई. पू.) **इलाहाबाद के निकट कोल्डिहवा** से प्राप्त हुआ है। इस नवपाषाण युग के निवासी सबसे प्राचीन कृषक समुदाय से सम्बन्धित थे। ये लोग मिट्टी और सरकण्डे के बने गोलाकार या आयताकार घरों में रहते थे।*

10. निम्नलिखित में से कौन-सा सही सुमेलित नहीं है ?
(A) चिरौंद — छपरा बिहार
(B) मेहरगढ़ — बलूचिस्तान
(C) नेवासा — गुजरात
(D) संगनकल्लू — बेलारी (कर्नाटक)

व्याख्या—(C) *नेवासा महाराष्ट्र में गोदावरी की सहायक प्रवरा नदी के दक्षिणी किनारे पर स्थित है। यहाँ से चाक पर बने लाल सतह पर काले म द्भाण्ड, बड़े-बड़े कलश प्राप्त हुए हैं।*

11. निम्नलिखित में से प्रागैतिहासिक काल का कौन-सा स्थल बिहार राज्य में स्थित नह है ?
(A) चिरौंद (B) ओरिअप
(C) बरुडीह (D) ब्रह्मगिरि

व्याख्या—(D) ***ब्रह्मगिरि नामक पुरास्थल कर्नाटक राज्य में स्थित है।*** *यहाँ से प्राप्त अवशेष नुकेले हत्था, ताँबे की रुखानियाँ, ताँबे व काँसे की एक-एक छड़, अण्डाकार कुठार, म तक भाँड़ आदि।*

12. नव पाषाणकाल में किस स्थल से हड्डी के उपकरण मिले हैं ?
(A) चिराँद (B) मेहरगढ़
(C) गुफ्फकराल (D) जोखे

व्याख्या—(A) *चिराँद (बिहार) नामक नव पाषाणकालीन पुरास्थल से प्रचुर मात्र में* ***हड्डी के उपकरण*** *पाये गये हैं। जो मुख्यतया हिरण के सीगों के हैं।*

13. किस स्थल से प्रागैतिहासिक काल में भैंस का साक्ष्य मिला है ?
(A) बुर्जहोम (B) मेहरगढ़
(C) ब्रह्मगिरि (D) भीमबेटका

व्याख्या—(B) *मेहरगढ़* ***बलूचिस्तान*** *में स्थित है। इस पुरास्थल का उत्खनन* ***जेरिंग*** *और* ***लेशेवालियर*** *ने कराया था। इस पुरास्थल से* ***भैंस के साक्ष्य*** *प्राप्त हुए हैं।*

14. राबर्ट ब्रूसफूट, जिन्होंने भारत में प्रथम पूर्व पाषाणिक उपकरण की खोज की, मूलतः थे ?
(A) एक भू-वैज्ञानिक (B) एक पुरावनस्पतिशास्त्री
(C) एक इतिहासकार (D) एक पुरातत्वविद्

व्याख्या—(A) *भारतीय* ***भू-वैज्ञानिक राबर्ट ब्रूसफूट*** *ने 1863 ई. में* ***मद्रास के समीप पल्लावरम से पहला भारतीय पुरापाषाण स्थल की खोज*** *की।*

15. भारतीय उपमहाद्वीप में कृषि के प्राचीनतम साक्ष्य प्राप्त हुए हैं—
(A) चिराँद (B) ब्रह्मगिरि
(C) मेहरगढ़ (D) आमारी

व्याख्या—(C) ***मेहरगढ़*** *नामक नव पाषाणयुगीन प्राचीनतम बस्ती पाकिस्तान में स्थित बलूचिस्तान प्रान्त में है। यहाँ से कृषि के प्राचीनतम साक्ष्य मिले हैं। यहाँ पर गेहूँ, जौ, खजूर और कपास की खेती की जाती थी।*

16. निम्नलिखित में से किस स्थल से मात देवी की मूर्ति प्राप्त हुई है ?
(A) लंघनाद (B) बागोर
(C) दमदमा (D) लोहंदा

व्याख्या—(D) ***बेलन घाटी (इलाहाबाद)*** *में स्थित लोहंदा नाले से* ***अस्थि निर्मित मात देवी की मूर्ति मिली है*** *जो उत्तर पुरापाषाण काल की है।*

17. निम्नलिखित मध्य पाषाणकालीन पुरास्थलों में से किस स्थल का उत्खनन जी. आर. शर्मा द्वारा नह कराया गया ?
(A) वीरभानपुर (B) सराय नाहर राय
(C) महदमा (D) दमदमा

व्याख्या—(A) *'वीरभानपुर' नामक पुरास्थल पश्चिम बंगाल जिले के बर्दमान में स्थित है। इसका उत्खनन* ***बी. बी. लाल*** *ने कराया था। शेष स्थल सराय नाहर राय, महदमा, दमदमा नामक तीनों पुरास्थलों का उत्खनन जी. आर. शर्मा द्वारा कराया गया था। यह तीनों स्थल* ***उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़*** *जिले में स्थित हैं।*

18. मनुष्य ने सबसे पहले किस धातु को औजार बनाने में प्रयुक्त किया ?
(A) पीतल (B) लोहा
(C) ताँबा (D) काँसा

व्याख्या—(C) *मनुष्य ने पत्थर एवं ताँबे के पत्थरों के औजारों का साथ-साथ प्रयोग किया, उस काल को ताम्र-पाषाणिक काल कहते हैं।* ***सर्वप्रथम औजारों के बनाने में ताँबा धातु को प्रयोग में लाया गया।*** *ताँबे का सर्वप्रथम प्रयोग लगभग 5000 ई. पू. में किया गया।*

19. निम्नलिखित में से कौन-सा उत्खनन स्थल महाराष्ट्र में स्थित नहीं है ?
(A) सोनगाँव (B) इनामगाँव
(C) दैमाबाद (D) गिलुण्ड

व्याख्या—(D) ***गिलुण्ड*** *स्थल में ताम्रपाषाण अवस्था के मुख्य क्षेत्र* ***दक्षिणी-पूर्वी राजस्थान*** *में स्थित हैं।*

20. निम्नलिखित स्थलों में से कौन-सा स्थल जोरवे संस्कृति का नहीं है ?
(A) दैमाबाद (B) मेहरगढ़
(C) इनामगाँव (D) चन्दोली

व्याख्या—(B) *जोरवे संस्कृति का सबसे विस्त त उत्खनन केन्द्र* ***महाराष्ट्र*** *है। जहाँ उत्खनन स्थल हैं—****नेवासा, दैमाबाद, चन्दोली, इनामगाँव*** *तथा* ***सोनगाँव****। जोरवे संस्कृति ग्रामीण थी फिर भी इसकी कई बस्तियाँ; जैसे—****दैमाबाद*** *और* ***इनामगाँव*** *में नगरीकरण की प्रक्रिया शुरू हो चुकी थी।*

21. जोरवे संस्कृति के स्थलों में सबसे बड़ा स्थल कौन-सा है ?
(A) दैमाबाद (B) चन्दोली
(C) इनामगाँव (D) नेवासा

व्याख्या—(A) *नेवासा, दैमाबाद, चन्दोली, सोनगाँव, इनामगाँव आदि जोरवे संस्कृति के स्थल हैं। जोरवे स्थलों में सबसे बड़ा* ***दैमाबाद*** *है।*

22. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन असत्य है ?
(A) पुरा पाषाणकालीन संस्कृति हैण्ड-ऐक्स, क्लीवर और स्क्रैयर आदि विशिष्ट उपकरणों पर आधारित है
(B) मध्य पाषाणकाल में प्रयुक्त होने वाले उपकरण बहुत छोटे थे इसलिए इन्हें 'माइक्रोलिथ' कहते हैं
(C) नवपाषाण युग के प्रथम प्रस्तर उपकरण उत्तर प्रदेश के टोंस नदी घाटी में सर्वप्रथम 1860 ई. में लेन्मेसुरियर ने प्राप्त किया
(D) पुरापाषाण काल के मनुष्य मुख्यतः होमोसेपियन्स जाति के थे

व्याख्या—(D) ***काले व लाल म द्भाण्डों*** *का सम्बन्ध* ***ताम्र-पाषाण*** *समुदाय के चाकों से है।*

32. सूची-I (स्थान का नाम) को सूची-II (सम्बद्ध संस्कृति) से सम्बद्ध कीजिए—

सूची-I (स्थान का नाम)	**सूची-II (सम्बद्ध संस्कृति)**
a. रंगपुर	1. पुरापाषाण
b. सोहन	2. नवपाषाण
c. आदिच्चनल्लूर	3. ताम्रपाषाण
d. बुर्जहोम	4. मध्यपाषाण
	5. महापाषाण

कूट :

	a	b	c	d
(A)	1	4	5	2
(B)	3	1	5	2
(C)	3	1	5	4
(D)	2	3	4	5

व्याख्या—(B)

स्थान का नाम	**सम्बद्ध संस्कृति**
रंगपुर	*ताम्रपाषाण*
सोहन	*पुरापाषाणकाल*
आदिच्चनल्लूर	*महापाषाण*
बुर्जहोम	*नवपाषाण स्थल*

33. प्रागैतिहासिक काल का कौन-सा स्थल ताम्बवती नाम से प्रसिद्ध है ?
(A) अहाड़ (B) गिलुन्द
(C) कायथ (D) महेश्वर

व्याख्या—(A) ***अहाड़*** *को ही* ***'ताम्बवती'*** *के नाम से जानते हैं जिसका अर्थ है,* ***ताँबा बनाने वाली जगह*** *से लगाया गया है। इस संस्कृति का काल 2100 ई. पू. से 1500 ई. पू. के बीच हो सकता है।*

34. प्रारम्भिक पूर्व मानव को किस नाम से जाना जाता था ?
(A) क्रोमैग्नॉन (B) निएण्डरथल
(C) ग्रिमाल्डी (D) मैण्डलीनियन

व्याख्या—(A) *होमोसेपियन्स, कोमैग्नॉन, ग्रिमाल्डी के रूप में आधुनिक मानव का विकास हुआ। प्रारम्भिक पूर्व मानव* ***क्रोमैग्नॉन*** *को माना जाता है।*

हड़प्पा सभ्यता

1. हड़प्पा टीले के बारे में प्रथम उल्लेख निम्नलिखित में से किसने किया ?
(A) दयाराम साहनी (B) राखालदास बनर्जी
(C) चार्ल्स मैस्मन (D) अलेक्जेण्डर कनिंघम

व्याख्या—(C) *हड़प्पा टीले के बारे में प्रथम उल्लेख* ***चार्ल्स मैस्मन*** *ने 1826 ई. में किया था। यह टीला पाकिस्तान के* ***माण्टगोमरी जिले*** *में* ***रावी नदी*** *के बायें किनारे पर स्थित है।*

2. किस पुरातत्वविद् को भारतीय पुरातत्व विभाग का जनक माना जाता है ?
(A) अलेक्जेण्डर कनिंघम (B) दयाराम साहनी
(C) सर जॉन मार्शल (D) राखालदास बनर्जी

व्याख्या—(A) *1853 ई. और 1873 में पुरातत्वविद् जनरल* ***अलेक्जेण्डर कनिंघम*** *ने सर्वेक्षण करके हड़प्पा में सभ्यता के होने का निष्कर्ष निकाला था। इन्हें भारतीय पुरातत्व विभाग का जनक माना जाता है।*

3. हड़प्पा सभ्यता स्थल—लोथल, स्थित है ?
(A) पंजाब में (B) गुजरात में
(C) राजस्थान में (D) सिन्ध में

व्याख्या—(B) *लोथल पुरास्थल* ***गुजरात*** *के अहमदाबाद जिले में* ***भोगवा नदी*** *के तट पर स्थित है। इस स्थल की सर्वप्रथम खोज* ***डॉ. एस. आर. राव*** *ने 1957 ई. में की थी।*

4. सिन्धु सभ्यता के किस स्थल से फारस की मुद्रा प्राप्त हुई ?
(A) कालीबंगा (B) हड़प्पा
(C) लोथल (D) चन्हूदड़ो

व्याख्या—(C) *लोथल को* ***'लघु हड़प्पा' या 'लघु मोहनजोदड़ो'*** *कहा जाता है। यहाँ से* ***फारस की मुद्रा*** *या* ***सील*** *और* ***पक्के रंग में रँगे पात्रों*** *की प्राप्ति से पता चलता है कि लोथल में सिन्धु सभ्यता काल में सामुद्रिक व्यापारिक गतिविधियों का केन्द्र रहा है।*

5. हड़प्पा सभ्यता के अन्तर्गत किस नगर के दरवाजे गली की ओर न खुलकर मुख्य मार्ग की ओर खुलते थे ?
(A) कालीबंगा (B) धौलावीरा
(C) सुरकोटदा (D) लोथल

व्याख्या—(D) *लोथल सागर तट पर स्थित पश्चिमी एशिया से व्यापार का प्रमुख बन्दरगाह था।* ***लोथल से मिले एक मकान का दरवाजा गली की ओर न खुलकर सड़क की ओर खुलता था।***

6. सिन्धु सभ्यता के किस स्थल से डॉकयार्ड (जहाजों की गोदी) के साक्ष्य मिले हैं ?
(A) कालीबंगा (B) सुरकोटदा
(C) लोथल (D) हड़प्पा

व्याख्या—(C) *लोथल से सबसे बड़ी उपलब्धि* ***डॉकयार्ड (जहाजों की गोदी)*** *है। यहाँ लोथल के पूर्वी खण्ड में पक्की ईंटों का एक तालाब जैसा घेरा था।*

7. सिन्धु सभ्यता के किस स्थल से चावल के साक्ष्य प्राप्त हुए हैं ?
(A) रंगपुर (B) लोथल
(C) कालीबंगा (D) हड़प्पा

व्याख्या—(B) ***चावल के साक्ष्य लोथल*** *से प्राप्त हुए हैं तथा गुजरात में ही स्थित* ***रंगपुर*** *से* ***धान की भूसी के ढेर***

18. निम्नलिखित में से किसने हड़प्पा एवं मोहनजोदड़ो को जुड़वाँ राजधानियाँ बताया ?
(A) चार्ल्स मेसर्न (B) मार्टीमर व्हीलर
(C) स्टुअर्ट पिगट (D) गार्डन चाइल्ड

व्याख्या—(C) *सिन्धु सभ्यता के विस्तार के आधार पर* ***स्टुअर्ट पिगट*** *ने* ***हड़प्पा*** *और* ***मोहनजोदड़ो*** *दोनों को एक विस्त त साम्राज्य की जुड़वाँ राजधानियाँ बताया है।*

19. सिन्धु सभ्यता के किस पुरास्थल से आर-37 समाधि प्राप्त हुई ?
(A) मोहनजोदड़ो (B) कालीबंगा
(C) हड़प्पा (D) लोथल

व्याख्या—(C) *हड़प्पा के सामान्य निवास क्षेत्र के दक्षिण में एक कब्रिस्तान के साक्ष्य मिले हैं जिसे समाधि* ***आर-37*** *नाम दिया गया है।*

20. सर जॉन मार्शल ने सिन्धु सभ्यता के कार्यकाल की तिथि क्या निर्धारित की है ?
(A) 2350 – 1750 ई. पू. (B) 3250 – 2750 ई. पू.
(C) 2500 – 1500 ई. पू. (D) 2800 – 2500 ई. पू.

व्याख्या—(B)

विद्वान	*निर्धारित तिथि*
सर जॉन मार्शल	3250 – 2750 ई. पू.
अर्नेस्ट मैके	2800 – 2500 ई. पू.
मार्टीमर व्हीलर	2500 – 1500 ई. पू.
सी. जे. गैड	2350 – 1750 ई. पू.
फेयर सर्विस	2000 – 1500 ई. पू.
माधोस्वरूप वत्स	3500 – 2700 ई. पू.
रेडियो कार्बन-14	2350 – 1750 ई. पू.

21. निम्नलिखित में से सही कूट का चयन कीजिए—
1. हड़प्पा से ताँबा का पैमाना मिला है।
2. हड़प्पा से ताँबे की इक्कागाड़ी मिली है।
3. हड़प्पा से स्वास्तिक चिह्न के साक्ष्य मिले हैं।
4. हड़प्पा से एक स्त्री की मूर्ति मिली है जिसके पैर फैले हुए हैं तथा गर्भ से पौधा निकल रहा है।

कूट :
(A) 1, 3 तथा 4 (B) 2, 3 तथा 4
(C) 1, 2 तथा 3 (D) उपर्युक्त सभी

व्याख्या—(D)

22. सिन्धु सभ्यता के किस पुरास्थल से नहर के साक्ष्य मिलते हैं ?
(A) हड़प्पा (B) कालीबंगा
(C) मोहनजोदड़ो (D) लोथल

व्याख्या—(C) *मोहनजोदड़ो सिन्धु सभ्यता का एक ऐसा पुरास्थल है जहाँ से* ***नहर के साक्ष्य प्राप्त हुए हैं।***

23. निम्नलिखित में से गलत कूट का चयन कीजिए—
(A) लोथल — डॉ. एस. आर. राव
(B) कालीबंगा — आर. एस. विष्ट
(C) कोटदीजी — फजल अहमद खान
(D) चन्हूदड़ो — एम. जी. मजूमदार

व्याख्या—(B) ***कालीबंगा*** *राजस्थान के गंगानगर जिले में स्थित है। इस प्राक् हड़प्पा सभ्यता के पुरास्थल की खोज* ***अमलानन्द घोष*** *ने 1953 ई. में की थी।*

24. सिन्धु सभ्यता के किस पुरास्थल से किसी दुर्ग का साक्ष्य नहीं मिला है ?
(A) हड़प्पा (B) कालीबंगा
(C) सुरकोटदा (D) चन्हूदड़ो

व्याख्या—(D) *चन्हूदड़ो सिन्धु सभ्यता का एकमात्र नगर है* ***जहाँ से दुर्ग के साक्ष्य नहीं मिले*** *हैं। यही एकमात्र नगर है जहाँ से* ***वक्राकार ईंटें*** *प्राप्त हुई हैं। यहीं से झूकर-झांगर संस्कृति के अवशेष मिले हैं।*

25. सिन्धु सभ्यता के पुरास्थल से लिपिस्टिक के साक्ष्य प्राप्त हुए हैं—
(A) कालीबंगा (B) लोथल
(C) चन्हूदड़ो (D) बनवाली

व्याख्या—(C) ***चन्हूदड़ो की खोज सर्वप्रथम 1931 ई.*** *में* ***एम. जी. मजूमदार*** *ने की थी। यहाँ से सौन्दर्य प्रशाधन में प्रयुक्त होने वाली* ***लिपिस्टिक के प्रमाण*** *मिले हैं।*

26. सिन्धु सभ्यता के किस पुरास्थल से जुते हुए खेत के साक्ष्य प्राप्त हुए हैं ?
(A) कालीबंगा (B) धोलावीरा
(C) चन्हूदड़ो (D) दैमाबाद

व्याख्या—(A) *कालीबंगा राजस्थान के गंगानगर में स्थित इस पुरास्थल की खोज सर्वप्रथम* ***अमलानन्द घोष*** *ने की थी। कालीबंगा से* ***जुते हुए खेत के साक्ष्य*** *मिले हैं तथा* ***एक साथ दो फसलों को बोने*** *का साक्ष्य भी मिला है।*

27. हड़प्पा सभ्यता के किस नगर से भूकम्प आने के प्रमाण मिले हैं ?
(A) लोथल (B) कालीबंगा
(C) धौलावीरा (D) चन्हूदड़ो

व्याख्या—(B) *कालीबंगा, राजस्थान में* ***घग्घर नदी (सरस्वती)*** *के तट पर स्थित है। कालीबंगा का शाब्दिक अर्थ है—****काले रंग की चूड़ियाँ।*** *इस नगर से* ***भूकम्प आने का प्राचीनतम साक्ष्य मिला है।***

28. सिन्धु सभ्यता का कौन-सा एकमात्र नगर था जिसके दोनों टीले एकमात्र सुरक्षा दीवार से घिरे थे ?
(A) कालीबंगा (B) लोथल
(C) सुरकोटदा (D) रंगपुर

व्याख्या—(A) ***कालीबंगा*** *ही सिन्धु सभ्यता का एकमात्र नगर है जिसके* ***दोनों टीले एक ही सुरक्षा दीवार से घिरे थे।*** *कालीबंगा में कोई भी घरेलू व सार्वजनिक नाली के साक्ष्य नहीं मिले हैं। यहाँ से* ***लकड़ी*** *की नाली के साक्ष्य मिले हैं।*

29. निम्नलिखित में से असत्य कथन कौन-सा है ?
(A) कालीबंगा से एक पल्ले वाले दरवाजे के साक्ष्य मिले हैं

कूट :

	a	b	c	d
(A)	4	3	1	2
(B)	2	1	3	4
(C)	2	1	4	3
(D)	1	2	3	4

व्याख्या—(B)

पुरास्थल	प्राप्त अवशेष
हड़प्पा	*तरबूज के बीज, गेहूँ, जौ, मटर, राई, तिल, खजूर आदि।*
लोथल	*बाजरा, चावल।*
रंगपुर	*धान की भूसी के ढेर, बाजरा।*
कालीबंगा	*चना।*

39. सिन्धु सभ्यता के किस पुरास्थल से मुहर पर गरुड़ का अंकन मिला है ?
(A) कालीबंगा से (B) लोथल से
(C) रोपड़ से (D) हड़प्पा से

व्याख्या—(D) *हड़प्पा सभ्यता से अब तक 2,000 मुहरें प्राप्त की जा चुकी हैं। इनमें से* ***अधिकांश मुहरें मोहनजोदड़ो*** *से मिली हैं। मुहर पर* ***गरुड़*** *का अंकन* ***हड़प्पा पुरास्थल*** *से मिला है।*

40. हड़प्पा सभ्यता को किस ऐतिहासिक वर्ग में रखा जाता है ?
(A) ऐतिहासिक (Historic)
(B) प्रागैतिहासिक (Prehistoric)
(C) आद्यऐतिहासिक (Protohistoric)
(D) नवपाषाणिक (Neolithic)

व्याख्या—(C) *सिन्धु सभ्यता को आद्यऐतिहासिक युग (Protohistoric Age) की सभ्यता माना जाता है। सिन्धु सभ्यता में जो लिपि प्राप्त हुई है वह अभी तक पढ़ी नहीं जा सकी है इसलिए यह सभ्यता अनुमान पर आधारित है इसलिए इसे* ***'आद्यऐतिहासिक'*** *(Protohistoric) कहते हैं।*

41. निम्नलिखित कूटों को सुमेलित कीजिए—

स्थल	**उत्खननकर्त्ता**
a. कोटदीजी	1. आर. एस. विष्ट
b. लोथल	2. एस. आर. राव
c. सुरकोटदा	3. धुर्ये
d. बनवाली	4. जगपति जोशी

कूट :

	a	b	c	d
(A)	4	1	2	3
(B)	3	2	4	1
(C)	3	2	1	4
(D)	3	1	2	4

व्याख्या—(B)

स्थल	**उत्खननकर्त्ता**	**स्थिति**
1. कोटदीजी	धुर्ये	सिन्ध प्रान्त (पाकिस्तान)
2. लोथल	एस. आर. राव	अहमदाबाद (गुजरात)
3. सुरकोटदा	जगपति जोशी	कच्छ (गुजरात)
4. बनवाली	आर. एस. विष्ट	हिसार (हरियाणा)

42. सिन्धु सभ्यता का कौन-सा स्थल कच्छ की खाड़ी में स्थित नहीं है ?
(A) धौलावीरा (B) सुरकोटदा
(C) लोथल (D) देशलपुर

व्याख्या—(C) *लोथल गुजरात में* ***काठियाबाड़ (अहमदाबाद)*** *में स्थित है।* ***कच्छ की खाड़ी*** *में मात्र तीन पुरास्थल* ***धौलावीरा, सुरकोटदा, देशलपुर*** *ही अभी तक खोजे गये हैं। लोथल गुजरात में* ***खम्भात की खाड़ी*** *के नजदीक स्थित है।*

43. भारत में सिन्धु सभ्यता का सबसे विस्त त पुरास्थल कौन-सा है ?
(A) लोथल (B) कालीबंगा
(C) मोहनजोदड़ो (D) राखीगढ़ी

व्याख्या—(D) *हरियाणा राज्य में स्थित* ***राखीगढ़ी*** *सिन्धु सभ्यता का सबसे बड़ा तथा विस्त त स्थल है। इस स्थल की खोज 1969 ई. में* ***सूरजभान*** *और* ***आचार्य भगवान देव*** *ने की। यहाँ से ताँबे के उपकरण प्राप्त हुए हैं।*

44. निम्नलिखित में से सही कूट का चयन कीजिए—
1. लोथल भोगवा नदी के तट पर स्थित है।
2. लोथल से नाव के चित्र युक्त मुद्रा प्राप्त हुई।
3. आटा पीसने वाली पत्थर की चक्की के साक्ष्य।
4. लोथल से घोड़े की अस्थियाँ प्राप्त हुई हैं।

कूट :
(A) 1, 2 तथा 4 (B) 1, 2 तथा 3
(C) 2, 3 तथा 4 (D) उपर्युक्त सभी

व्याख्या—(B) ***घोड़े की अस्थियों*** *के साक्ष्य* ***सुरकोटदा*** *से प्राप्त हुए हैं। इस स्थल का उत्खनन 1967 ई. में* ***जगपति जोशी*** *ने करवाया।*

45. सिन्धु सभ्यता का कौन-सा पुरास्थल तीन भागों में विभाजित है ?
(A) सुरकोटदा (B) मोहनजोदड़ो
(C) दैमाबाद (D) धौलावीरा

व्याख्या—(D) ***धौलावीरा कच्छ के रन*** *क्षेत्र में स्थित है। इस स्थल की खोज 1967-68 ई. में* ***जे. पी. जोशी*** *ने की तथा 1990-91 ई. में इसका उत्खनन* ***आर. एस. विष्ट*** *ने करवाया। यह एकमात्र नगर तीन भागों में—दुर्ग (Citadal), मध्यम नगर (Middle town) तथा निचला नगर (Lower town) में विभाजित था।*

46. सिन्धु सभ्यता के किस पुरास्थल से "शॉपिंग कॉम्पलेक्स" के साक्ष्य मिले ?
(A) लोथल (B) सुरकोटदा
(C) धौलावीरा (D) चन्हूदड़ो

व्याख्या—(B) *सुरकोटदा गुजरात के कच्छ के रन क्षेत्र में स्थित है। इस स्थल की खोज* ***जगपति जोशी*** *ने की थी।* ***यह नगर भी एक बन्दरगाह था लेकिन गोदीवाड़ा*** *या* ***डॉकयार्ड की सुविधा नहीं थी।*** *इस नगर में* ***दुर्ग के अन्दर ही शॉपिंग कॉम्पलेक्स के साक्ष्य*** मिले हैं।

57. निम्नलिखित में से असत्य कथन कौन-सा है ?
(A) हड़प्पा में शवों को दफनाने तथा मोहनजोदड़ो में जलाने की प्रथा थी
(B) स्वास्तिक चिह्न के साक्ष्य हड़प्पा सभ्यता से मिले हैं
(C) मनके बनाने का कारखाना मोहनजोदड़ो में था
(D) लोथल एवं कालीबंगा में युग्मित समाधियाँ मिली हैं

व्याख्या—(C) *मनके बनाने के कारखाने* ***लोथल*** *तथा* ***चन्हूदड़ो*** *में थे।*

58. सिन्धु सभ्यता के किस स्थल में पशुपति शिव के प्रमाण मिले हैं ?
(A) मोहनजोदड़ो (B) धौलावीरा
(C) रोपड़ (D) सुरकोटदा

व्याख्या—(A) ***मोहनजोदड़ो*** *से प्राप्त एक सील पर तीन मुख वाले देवता* ***पशुपतिनाथ*** *की* ***मूर्ति मिली है*** *उनके चारों ओर हाथी, गैंडा, चीता एवं भैंसा विराजमान हैं।*

59. 'भारत सेवक समाज' नामक संस्था ने किस सिन्धु सभ्यता के पुरास्थल को खोजने में सहायता प्रदान की है ?
(A) देसलपुर (B) राखीगढ़ी
(C) आलमगीरपुर (D) रंगपुर

व्याख्या—(C) ***आलमगीरपुर,*** *उत्तर प्रदेश में मेरठ जिले में यमुना की सहायक* ***हिण्डन नदी*** *पर स्थित है। यह हड़प्पा सभ्यता का सर्वाधिक पूर्वी पुरास्थल है। इस पुरास्थल की खोज में* ***'भारत सेवक समाज'*** *संस्था का विशेष योगदान रहा है।*

60. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन असत्य है ?
(A) कोटदीजी तथा आमरी में नगर की किलेबन्दी नहीं थी
(B) लोथल की बस्ती वर्गाकार थी
(C) हड़प्पा समाज में दास प्रथा का प्रचलन नहीं था
(D) सिन्धु सभ्यता की ईंटों का अनुपात 4 : 2 : 1 होता था

व्याख्या—(B) ***लोथल की बस्ती आयताकार थी।*** *सड़कें एक-दूसरे को समकोण पर काटती (आक्सफोर्ड प्रणाली) हुई नगर को पाँच-छह भागों में बाँटती थीं।*

61. मलेरिया के प्राचीनतम साक्ष्य कहाँ से प्राप्त किये गये हैं ?
(A) राखीगढ़ी (B) रंगपुर
(C) मोहनजोदड़ो (D) दैमाबाद

व्याख्या—(C) ***के. यू. आर. कनेडी*** *ने ऐसा दावा किया है कि मोहनजोदड़ो से मलेरिया के साक्ष्य प्राप्त हुए हैं।*

62. मोहनजोदड़ो की प्रसिद्ध मुहर पर देवता किन पशुओं से घिरे थे ?
(A) सिंह, गैंडा, बैल, घड़ियाल
(B) गैंडा, हाथी, भैंसा, चीता
(C) गैंडा, भैंसा, भेड़, चीता
(D) चीता, सर्प, गैंडा, बैल

व्याख्या—(B) *मोहनजोदड़ो से प्राप्त एक मुहर पर एक साधू का चित्र मिला है जो पद्मासन मुद्रा में विराजमान है जिसे* ***पशुपति शिव*** *की संज्ञा दी गयी है। इसके दायीं ओर* ***चीता*** *और* ***हाथी*** *तथा बायीं ओर* ***गैंडा*** *और* ***भैंसा*** *चित्रित किये गये हैं।*

63. निम्नलिखित में से कौन-सा सिन्धु स्थल समुद्र से जुड़ा हुआ है ?
(A) लोथल (B) रोपड़
(C) कालीबंगा (D) आलमगीरपुर

व्याख्या—(A) *लोथल का टीला अहमदाबाद (गुजरात) में स्थित है। लोथल की सबसे प्रमुख उपलब्धि* ***जहाजों की गोदी (Dock Yard)*** *है, जिससे इस नगर से प्रसिद्ध बन्दरगाह होने का पता चलता है। यहाँ से प्राप्त* ***फारस की मुद्रा*** *से पता चलता है कि इस बन्दरगाह से दूसरे देशों से व्यापार होता था।*

64. निम्नलिखित में से कौन-सी फसल सिन्धु सभ्यता के लोगों द्वारा उत्पादित नहीं की जाती थी ?
(A) दालें (B) गेहूँ
(C) चावल (D) जौ

व्याख्या—(A) *सिन्धु सभ्यता से नौ प्रकार की फसलें पहचानी गई हैं जिनकी यहाँ खेती होती थी। जिनमें से चावल, गेहूँ, जौ, कपास, खजूर, तरबूज, मटर, बाजरा, तिल मुख्य हैं। यहाँ के प्रमुख खाद्यान्न* ***गेहूँ*** *और* ***जौ*** *थे।*

65. निम्नलिखित में से हड़प्पा सभ्यता से सम्बन्धित कौन-सा कथन सही नहीं है ?
(A) वहाँ के निवासी पासे के खेल से परिचित थे
(B) वहाँ के निवासी ज्यामितीय रूपांकनों का प्रयोग करते थे
(C) लोथल के निवासियों ने मकान निर्माण में पकी ईंटों का कभी प्रयोग नहीं किया
(D) कालीबंगा के अधिकतर मकानों में कच्ची ईंटों का प्रयोग किया जाता था

व्याख्या—(C) *लोथल में मकानों का निर्माण पकी हुई ईंटों से किया जाता था। यहाँ से गोदीवाड़ा (डॉकयार्ड) तथा मकानों के चारों ओर मोटी दीवार व अन्य इमारतें मिली हैं जो पकी हुई ईंटों की बनी थीं।*

66. सिन्धु सभ्यता के किस स्थल से शवाधान हेतु काष्ठ शवपेटिका (Wooden coffin) का साक्ष्य मिला है ?
(A) मोहनजोदड़ो (B) हड़प्पा
(C) कालीबंगा (D) लोथल

व्याख्या—(B) *सिन्धु सभ्यता के प्रमुख स्थल हड़प्पा में आवास क्षेत्र के दक्षिण में R-37 नामक कब्रिस्तान पाया गया है जिसमें शवाधान हेतु ताबूत (काष्ठ शवपेटिका) प्राप्त हुई है। यह* ***ताबूत देवदार की लकड़ी*** *से निर्मित था।*

67. निम्नलिखित में से कौन-सा एक हड़प्पा स्थल हिन्दूकुश के उत्तर में स्थित है ?
(A) शोर्तुगाई (B) सुत्कागेण्डोर
(C) चन्हूदड़ो (D) माण्डा

व्याख्या—(A) ***शोर्तुगाई*** *नामक हड़प्पा स्थल* ***अफगानिस्तान*** *में हिन्दूकुश पर्वत के उत्तर में स्थित है।*

व्याख्या—(D) *ऋग्वैदिक काल में **'संयुक्त परिवार'** की प्रथा थी। परिवार की सम्पन्नता का मापदण्ड परिवार की **'व हदत'** थी।*

10. किस वेद में सर्वप्रथम शूद्र शब्द का उल्लेख मिलता है ?
(A) अथर्ववेद (B) ऋग्वेद
(C) सामवेद (D) यजुर्वेद

व्याख्या—(B) *सर्वप्रथम **'ऋग्वेद'** के **'दशवें मण्डल'** में शूद्र शब्द का उल्लेख मिलता है।*

11. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए—

वेद	उपवेद
a. ऋग्वेद	1. धनुर्वेद
b. यजुर्वेद	2. गन्धर्ववेद
c. सामदेव	3. शिल्पवेद
d. अथर्ववेद	4. आयुर्वेद

कूट :

	a	b	c	d
(A)	4	3	2	1
(B)	4	1	2	3
(C)	1	4	2	3
(D)	4	3	1	2

व्याख्या—(B)

वेद	उपवेद
ऋग्वेद	आयुर्वेद
यजुर्वेद	धनुर्वेद
सामदेव	गन्धर्ववेद
अथर्ववेद	शिल्पवेद

12. किस वेद को 'भारतीय संगीत का जनक' माना जाता है ?
(A) ऋग्वेद (B) यजुर्वेद
(C) सामदेव (D) अथर्ववेद

व्याख्या—(C) *सामदेव में देवताओं की स्तुति में गाये जाने वाले मन्त्रों का संग्रह है। इसे **'भारतीय संगीत का जनक'** माना जाता है।*

13. निम्नलिखित में से किस वेद को विश्व का सबसे प्राचीन ग्रन्थ माना जाता है ?
(A) अथर्ववेद (B) सामदेव
(C) यजुर्वेद (D) ऋग्वेद

व्याख्या—(D) ऋग्वेद—विश्व का सबसे प्राचीन ग्रन्थ है। *इसमें सूक्तों का संग्रह है। ऋग्वेद में कुल **10 मण्डल, 1028 सूक्त** तथा **10462 मन्त्र या श्लोक** हैं।*

14. वेदों का संकलन निम्नलिखित में से किसके द्वारा किया गया है?
(A) वशिष्ठ (B) विश्वामित्र
(C) क ष्ण द्वैपायन (D) भारद्वाज

व्याख्या—(C) *वेदों को **'श्रुति'** भी कहा जाता है क्योंकि अपने संकलन के पूर्व ये गुरु-शिष्य की श्रावण-परम्परा के कारण ही जीवित थे। सर्वप्रथम वेदों का संकलन **कृष्ण द्वैपायन वेदव्यास** ने किया था, इसलिए इनको **'वेदव्यास'** की* उपाधि दी गई थी।

15. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन असत्य है ?
(A) दशराज युद्ध में **सुदास** की विजय हुई थी
(B) ऋग्वेद का दसवाँ मण्डल **सोम देवता** को समर्पित है
(C) ऋग्वेद के नौवें मण्डल में चारों वर्णों की उत्पत्ति का वर्णन मिलता है
(D) ऋग्वेद का आठवाँ मण्डल कण्वों ओर आंगिरस वंश को समर्पित है

व्याख्या—(C) ऋग्वेद *के **दशवें मण्डल में वर्णित पुरुष सूक्त में विराट द्वारा चारों वर्णों की उत्पत्ति का वर्णन मिलता है।** इसके द्वारा **'ब्राह्मण'** की उत्पत्ति मुख से, **'क्षत्रिय'** की उनकी भुजाओं से, **'वैश्य'** की उनकी जाँघों से तथा **'शूद्र'** की उत्पत्ति उनके पैरों से हुई है।*

16. आर्यों के उत्तरी ध्रुव से आने की अवधारणा किसके द्वारा दी गई है ?
(A) पेंका (B) बाल गंगाधर तिलक
(C) मैक्समूलर (D) गंगानाथ झा

व्याख्या—(B) बाल गंगाधर तिलक ने *आर्यों को **उत्तर ध्रुव का निवासी माना है।** ऋग्वेद के **दूसरे** और **दशवें** मण्डल के आधार पर निष्कर्ष निकाला है कि आर्य उस भौगोलिक मूल के थे जहाँ 6 महीने का दिन और 6 महीने की रात होती है। इसका वर्णन इन्होंने अपनी पुस्तक **'आर्कटिक होम ऑफ द वेदाज'** में किया है।*

17. हिट्टानी संस्क ति की धार्मिक आस्था में निम्नलिखित में से कौन-से वैदिक देवता विद्यमान थे ?
(A) अग्नि, इन्द्र, मित्र, वरुण,
(B) अग्नि, पुषन, यम, सूर्य
(C) मित्र, वरुण, पुषन, रुद्र
(D) इन्द्र, वरुण, मित्र, नास्त्य

व्याख्या—(D) *1400 ई. पू. के **बोगजकोई (एशिया माइनर)** के अभिलेख में **हिट्टानी** तथा **मित्तानी** राजाओं के मध्य सन्धि में वैदिक देवताओं **(इन्द्र, वरुण, मित्र, नास्त्य)** के उल्लेख से यह ज्ञात होता है कि ऋग्वेद उस समय से पहले विद्यमान था।*

18. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए—

सूची-I (नदियों के प्राचीन नाम)	सूची-II (आधुनिक नाम)
a. सरस्वती	1. रावी
b. शत्रुदि	2. घग्घर
c. वितस्ता	3. सतजल
d. परुष्णी	4. झेलम

कूट :

	a	b	c	d
(A)	2	3	1	4
(B)	2	3	4	1
(C)	4	3	1	2
(D)	2	4	3	1

27. निम्नलिखित में से असत्य कथन छाँटिए—
(A) ऋग्वेद के एक मन्त्र में शिव की 'त्रयम्बक' कहा गया
(B) पूषण, ऋग्वैदिक काल में पशुओं के देवता थे
(C) अरण्यानी, ऋग्वैदिक काल में जंगल की देवी थी
(D) ऋग्वैदिक काल में राजा की एक नियमित सेना होती थी

व्याख्या—(D) *ऋग्वैदिक काल में राजा की* ***कोई नियमित सेना नहीं थी।*** *युद्ध के समय संगठित की गई सेना को* ***नागरिक सेना*** *कहा जाता था।*

28. किसमें वर्णन मिलता है कि "यज्ञ टूटी नौका के समान हैं"?
(A) ईशोपनिषद् (B) कठोपनिषद्
(C) मुण्डक उपनिषद् (D) तैत्तिरीय उपनिषद्

व्याख्या—(C) ***"यज्ञ एक टूटी नौका के समान हैं" यह वर्णन मुण्डक उपनिषद् में मिलता है।*** *इसी में वर्णन है कि "ब्रह्म ज्ञान के लिए मनुष्य को गुरु का सहारा लेना चाहिए" तथा विद्या के दो प्रकार* ***'परा'*** तथा ***'अपरा'*** बताये गये हैं।

29. 'उपनिषदों' की संख्या कितनी है ?
(A) 18 (B) 21
(C) 118 (D) 108

व्याख्या—(D) *मुण्डकोपनिषद् के अनुसार उपनिषदों की संख्या 108 है। लेकिन शंकराचार्य ने 10 उपनिषदों को प्रामाणिक माना है जो हैं—ईश, केन, कठ, मुण्डक, माण्डूक्य, तैत्तिरीय, छान्दोग्य, ऐतरेय और ब हदारण्यक उपनिषद्।*

30. 'इस आत्मा का न कभी जन्म होता है, और न उसकी कभी म त्यु होती है' यह उद्धरण कहाँ है ?
(A) केन उपनिषद् (B) ईश उपनिषद्
(C) कठ उपनिषद् (D) छान्दोग्य उपनिषद्

व्याख्या—(C) ***कठोपनिषद्*** *में* ***आचार्य यम*** *द्वारा* ***नचिकेता को उपदेश*** *अर्थात्* ***"न इस आत्मा का कभी जन्म होता है और न ही उसकी कभी म त्यु होती है।"*** *का वर्णन है।*

31. वेदांग में किसे वेदों की आँखें माना गया है ?
(A) कल्प (B) शिक्षा
(C) निरुक्त (D) ज्योतिष

व्याख्या—(D) *पाणिनि के अनुसार—*

छन्द *को वेदों का*	—	***पाद***
कल्प *को वेदों का*	—	***हाथ***
ज्योतिष *को वेदों की*	—	***आँखें***
निरुक्त *को वेदों के*	—	***कान***
शिक्षा *को वेदों की*	—	***नाक***
व्याकरण *को वेदों का*	—	***मुख***

32. किस उपनिषद् में **'सदा सत्य बोलो'** नामक आदर्श की चर्चा मिलती है ?
(A) छान्दोग्य उपनिषद् (B) ब हदारण्यक उपनिषद्
(C) तैत्तिरीय उपनिषद् (D) मुण्डक उपनिषद्

व्याख्या—(B) ***तैत्तिरीय उपनिषद्*** *में ब्रह्म के स्वरूप की चर्चा है तथा* ***गुरु*** *और* ***शिष्य*** *के व्यवहारों की आदर्श रूपरेखा मिलती है। इसी में सुमेलित हैं—* ***"सदा सत्य बोलो", "सदा धर्म का आचरण करो", "श्रेष्ठ कर्मों का आचरण करो"*** *आदि।*

33. निम्नलिखित में से कौन-सा उपनिषद् **गद्य** में लिखा गया है ?
(A) ईशोपनिषद् (B) कठोपनिषद्
(C) श्वेताश्वतर (D) ब हदारण्यक

व्याख्या—(D) *उपनिषद् गद्य और पद्य दोनों में हैं। जिसमें माण्डूक्य, प्रश्न, तैत्तिरीय, केन, ब हदारण्यक, छान्दोग्य और कौषीतकी उपनिषद्* ***गद्य में हैं*** *तथा ईश, कठोपनिषद्, श्वेताश्वतर उपनिषद्* ***पद्य में हैं।***

34. 'गायत्री मन्त्र' के रचयिता निम्नलिखित में से कौन हैं ?
(A) विश्वामित्र (B) भारद्वाज
(C) वशिष्ठ (D) क ष्ण द्वैपायन

व्याख्या—(A) ***'गायत्री मन्त्र'*** *की रचना* ***विश्वामित्र*** *द्वारा की गई है। गायत्री मन्त्र का वर्णन ऋग्वेद के* ***त तीय मण्डल*** *में मिलता है।*

35. निम्नलिखित में से किन यज्ञों की चर्चा ब्राह्मण ग्रन्थों में मिलती है ?
(A) अश्वमेध, अग्निष्टोम, देवयज्ञ
(B) राजसूय, अश्वमेध, वाजपेय
(C) देवयज्ञ, अश्वमेध, वाजपेय
(D) वाजपेय, पित यज्ञ, अश्वमेध

व्याख्या—(B) *ब्राह्मण ग्रन्थों में* ***राजसूय, अश्वमेध, वाजपेय*** *यज्ञ की चर्चा मिलती है।*
राजसूय*—यह राजा के राज्याभिषेक हेतु होता था। इस यज्ञ से प्रजा को यह विश्वास हो जाता था कि राजा को दिव्य शक्ति मिल गई है।*
अश्वमेध*—इस यज्ञ में राजा द्वारा छोड़ा गया घोड़ा जिन-जिन क्षेत्रों से बिना प्रतिरोध के गुजरता था उन सभी क्षेत्रों पर राजा का एकछत्र राज्य स्थापित हो जाता था।*
वाजपेय*—इस यज्ञ में राजा रथों की दौड़ का आयोजन करता था जिसमें राजा को सहयोगियों द्वारा विजयी बनाया जाता था।*

36. छान्दोग्य उपनिषद् के अनुसार **अश्वपति** कहाँ के राजा थे ?
(A) कैकेय (B) सारनाथ
(C) कोशल (D) वत्स

व्याख्या—(A) ***शतपथ ब्राह्मण*** *और* ***छान्दोग्य उपनिषद्*** *में* ***कैकेय*** *के राजा* ***अश्वपति*** *का उल्लेख मिलता है।*

37. निम्नलिखित में से किसमें क ष्ण का प्राचीनतम उल्लेख मिलता है?
(A) ब्राह्मण ग्रन्थ (B) अथर्ववेद
(C) छान्दोग्य उपनिषद् (D) वाजसनेही संहिता

49. 'शतमान' निम्नलिखित में से किस धातु की मुद्रा थी ?
(A) सोना (B) चाँदी
(C) ताँबा (D) सीसा

व्याख्या—(B) *'शतमान' **चाँदी की मुद्रा थी।** शतपथ ब्राह्मण में दक्षिणा के रूप में इसका वर्णन मिलता है। स्वर्ण, चाँदी, टिन, ताँबा, सीसा आदि धातुओं से आर्य परिचित थे।*

50. 'पुनर्जन्म का सिद्धान्त' का वर्णन किस वैदिक ग्रन्थ में मिलता है ?
(A) पुराण (B) ऐतरेय ब्राह्मण
(C) ऋग्वेद (D) शतपथ ब्राह्मण

व्याख्या—(D) *सर्वप्रथम 'पुनर्जन्म का सिद्धान्त' का वर्णन तथा म त्यु की चर्चा 'शतपथ ब्राह्मण' में की गयी है।*

51. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन असत्य है ?
(A) सबसे बड़ा तथा सर्वाधिक लौह पुंज **अन्तरजीखेड़ा** से मिला है
(B) उत्तरवैदिक काल में मूर्तिपूजा आरम्भ हुई
(C) वैश्य शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग शतपथ ब्राह्मण में मिलता है
(D) लोपामुद्रा अगस्त ऋषि की पत्नी तथा वैदिक ऋचाओं की रचयिता थीं

व्याख्या—(C) *'वैश्य' शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग **वाजसनेयी संहिता** में मिलता है।*

52. मनुस्म ति में सरस्वती और द षद्वती नदियों के बीच के प्रदेश को किस नाम से परिभाषित किया गया है ?
(A) ब्रह्मावर्त (B) आर्यावर्त
(C) सप्त-सैन्धव (D) ब्रह्मर्षिदेश

व्याख्या—(A) ***ब्रह्मावर्त**—सरस्वती नदी और द षद्वती नदियों के मध्य का प्रदेश।*
***आर्यावर्त**—हिमालय से विन्ध्य तक का क्षेत्र।*
***ब्रह्मर्षिदेश**—गंगा-यमुना दोआब का थानेश्वर का निकटवर्ती क्षेत्र।*
सप्त-सैन्धव—*सिन्धु, झेलम, चिनाब, रावी, सरस्वती, व्यास व सतलज नदियों का क्षेत्र।*

53. वैदिक राजाओं एवं राज्यों के निम्नलिखित युग्मों में से कौन-सा सही सुमेलित नहीं है ?
(A) अश्वपति — कैकेय
(B) जनक — विदेय
(C) अजातशत्रु — काशी
(D) जनमेजय — मद

व्याख्या—(D) *राजा जनमेजय हस्तिनापुर (कुरु) के शासक थे जो अर्जुन के पौत्र परीक्षित के पुत्र थे।*

54. निम्नलिखित में से किसकी उपासना वैदिक काल में नहीं होती थी ?
(A) इन्द्र (B) मरुत
(C) लक्ष्मी (D) अग्नि

व्याख्या—(C) *वैदिक काल में लक्ष्मी की पूजा नहीं होती थी। इस काल के प्रमुख देवताओं में वरुण, इन्द्र, अग्नि, सोम, मरुत, विष्णु प्रमुख थे। जबकि इस काल में कुल 33 देवता थे।*

55. वेदों को चार भागों में किसने विभाजित किया ?
(A) वशिष्ठ (B) व्यास
(C) वाल्मीकि (D) विश्वामित्र

व्याख्या—(B) *श्रवण परम्परा में प्रचलित होने के कारण प्रारम्भ में इन्हें **'श्रुति'** भी कहा जाता था। बाद में **कृष्ण द्वैपायन वेदव्यास** ने इन वेदों को संकलित किया तथा उन्हें चार भागों—**ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामदेव** तथा **अथर्ववेद** में बाँटा।*

56. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन असत्य है ?
(A) श्राद्ध की प्रथा का आरम्भ उत्तर भारत में गुप्त वंश के शासन काल में हुआ था
(B) ग्रोत्र शब्द एक कुल के अर्थ में सर्वप्रथम अथर्ववेद में प्रयुक्त दिखाई देता है
(C) प्रवर के कारण वैवाहिक चयन अत्यधिक सीमित हो गया था
(D) श्राद्ध परिवार को परिभाषित करता है, क्योंकि सपिण्ड उस पारिवारिक समुदाय के सदस्य होते हैं, जिनको श्राद्ध प्रथा में भाग लेने का अधिकार होता है

व्याख्या—(A) *श्राद्ध की प्रथा सर्वप्रथम दत्तमेय ऋषि के पुत्र निमि ने चलाई थी। उत्तरवैदिक काल में देवों के अतिरिक्त पितरों के तर्पण-श्राद्ध भी प्रारम्भ हो गये थे।*

57. सूची-I (विचार पद्धति) को सूची-II (व्यक्ति) के साथ सुमेलित कीजिए—

सूची-I (विचार पद्धति)	**सूची-II (व्यक्ति)**
a. मीमांसा	1. गौतम
b. न्याय	2. कपिल
c. सांख्य	3. जैमिनी
d. वैशेषिक	4. उलूक कणाद

कूट :

	a	b	c	d
(A)	3	1	2	4
(B)	2	4	3	1
(C)	3	4	2	1
(D)	2	1	3	4

व्याख्या—(A)

विचार पद्धति		***व्यक्ति***
मीमांसा	—	*जैमिनी*
वेदान्त	—	*वादरायण*
वैशेषिक	—	*कणाद*
सांख्य	—	*कपिल*
योग	—	*पतंजलि*
न्याय	—	*गौतम*

व्याख्या—(A) *भौतिक प्राणियों के स्वामी प्रजापति के सामने पहले के सब देवता महत्त्वहीन हो गये। ईश्वर के अवतारवाद के सिद्धान्त में प्रजापति की कहानियों से पता चलता है कि* ***प्रजापति के रूप में वराह का वर्णन है।***

69. वैदिक शब्द 'ऋत' का आशय है—
(A) ऋतुएँ (B) नैतिक नियम
(C) ऋण (D) पुरोहित

व्याख्या—(B) *वैदिक ग्रन्थों में 'ऋत' शब्द की व्याख्या* **स ष्टि की नियमितता** *तथा* **भौतिक एवं नैतिक व्यवस्था** *आदि रूपों में है।*

70. क ष्ण एवं शुक्ल के रूप में ज्ञात दो संस्करण मिलते हैं—
(A) केवल यजुर्वेद में
(B) सामदेव एवं अथर्ववेद में
(C) ऋग्वेद एवं यजुर्वेद में
(D) केवल अथर्ववेद में

व्याख्या—(A) *यजुर्वेद के मन्त्रों का उच्चारण करने वाला पुरोहित* ***"अध्वर्यु"*** *कहलाता है। इसके दो भाग हैं—****शुक्ल यजुर्वेद एवं क ष्ण यजुर्वेद।*** *यजुर्वेद की रचना* ***गद्य और पद्य दोनों में की गई है।***

71. निम्नलिखित में से कौन-सा एक कथन ऋग्वेद में स्त्रियों के विषय में सही नहीं है ?
(A) वे यज्ञ का अनुष्णन करती थीं
(B) वे युद्ध में सक्रिय भाग लेती थीं
(C) वे सभा की कार्यवाही में भाग लेती थीं
(D) उनका विवाह यौवनारम्भ से पूर्व हो जाता था

व्याख्या—(B) *वैदिक काल में स्त्रियाँ सामाजिक व राजनीतिक सभा व सम्मेलनों में भाग लेती थीं लेकिन युद्ध में भाग नहीं लेती थीं।*

72. पुरुषसूक्त के सम्बन्ध में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन गलत है ?
(A) यह श्रेणीबद्धता के उदय को प्रकट करता है
(B) यह ऋग्वेद के सातवें मण्डल में आया है
(C) इसमें ब्राह्मण की उत्पत्ति मुख से हुई का उल्लेख है
(D) इसमें स ष्टि के उदय का वर्णन है

व्याख्या—(B) *पुरुषसूक्त, ऋग्वेद के* ***दसवें मण्डल*** *में आया है।*

73. निम्नलिखित में से कौन-सा मिलान ऋग्वैदिक संस्क ति के विषय में सही है ?
(A) ग्राम्य, पशुचारणिक, राजतन्त्रीय
(B) प्रक ति पूजा, वर्ण व्यवस्था, मूर्तिपूजा
(C) वस्तु विनिमय पद्धति, सती प्रथा, गाय की पवित्रता
(D) मात तन्त्र, एक विवाह प्रथा, रक्षात्मक शस्त्रास्त्र

व्याख्या—(A) *सबसे पहले ऋग्वैदिक समाज* ***ग्राम्य अवस्था*** *में आया। उसके बाद* ***पशुचारणिक अवस्था*** *में आया। इसके बाद अन्त में* ***राजतन्त्रीय व्यवस्था*** *कायम हुई।*

74. आत्मा के पुनर्जन्म के सिद्धान्त का कहाँ उल्लेख मिलता है ?
(A) आरण्यक (B) ब्राह्मण ग्रन्थ
(C) ऋग्वेद (D) ब हदारण्यक उपनिषद्

व्याख्या—(D) *पुनर्जन्म के सिद्धान्त का प्रथम बार उल्लेख* ***'ब हदारण्यक उपनिषद्'*** *में मिलता है।*

75. निम्नलिखित में से किसे **'पाशुपत मत'** का प्रवर्तक माना जाता है?
(A) कुशिक (B) गोरखनाथ
(C) कपिल (D) लकुलीश

व्याख्या—(D) ***पाशुपत मत*** *का प्रवर्तक* ***लकुलीश*** *को माना जाता है। यह शैव धर्म का सबसे प्राचीन सम्प्रदाय है। इसमें* ***लकुलीश*** *को शिव का अवतार माना गया है।*

76. "मैं कवि हूँ, मेरे पिता वैद्य हैं और मेरी माता आटा पीसती है।" यह अवतरण कहाँ का है ?
(A) यजुर्वेद (B) ऋग्वेद
(C) म च्छकटिकम् (D) अथर्ववेद

व्याख्या—(B) *ऋग्वैदिक काल में व्यवसाय आनुवंशिक नहीं थे।* ***ऋग्वैदिक समाज एक कर्म प्रधान समाज*** *था। जाति व्यवस्था इस काल में नहीं थी।*

77. वैदिक देवता 'इन्द्र' के विषय में कौन-सी बात असत्य है ?
(A) वह पुरों को नष्ट करने वाला था
(B) वह ऋत् का धारक था
(C) उसे भोज एवं सोमरस पान प्रिय थे
(D) सर्वाधिक सूक्त उसे ही सम्बोधित हैं

व्याख्या—(B) *ऋग्वेद में इन्द्र को नहीं बल्कि* ***वरुण को ऋत् का नियामक*** *माना जाता था।*

78. दशराज युद्ध का विजेता सुदास किस जन से सम्बद्ध था ?
(A) शिवि (B) द्रुह्यु
(C) भरत (D) अनु

व्याख्या—(C) *दशराज युद्ध का वर्णन ऋग्वेद में मिलता है। जिसमें दस जन के स्वामी सुदास ने रावी नदी तट पर एक भीषण युद्ध में दस राजाओं के संघ को परास्त किया। इस भरत जन के नाम से आगे जाकर देश का नाम* ***'भारत'*** *पड़ा।*

79. ऋग्वेद में अन्यव्रत किसके सन्दर्भ में प्रयुक्त हुआ है ?
(A) दस्यु (B) दास
(C) म्लेच्छ (D) यदु

व्याख्या—(A) *ऋग्वेद में* ***दस्यु*** *को* ***'अन्यव्रत',*** *अकर्मन्, अदेवयु आदि नाम से जाना जाता है।*

80. व ष्णि वंश के पंचवीरों में साम्ब किसके पुत्र थे ?
(A) जाम्बवन्ती (B) देवकी
(C) रोहिणी (D) रुक्मिणी

व्याख्या—(A) *व ष्णि वंश के पंचवीरों में साम्ब जाम्बवन्ती से उत्पन्न पुत्र थे।*

81. सात्वत विधि शब्द का तात्पर्य है—
(A) भागवत अनुष्ठान (B) महायान दर्शन
(C) तान्त्रिक कार्य (D) लकुलीश पूजा की विधि

व्याख्या—(A) ***सात्वत विधि मुख्य रूप से भागवत धर्म का अनुष्ठान है।*** *परम्परा के अनुसार भागवत धर्म के प्रवर्तक* ***क ष्ण*** *थे।*

95. ऋग्वेद में निम्नलिखित में से किस शिल्प का उल्लेख नहीं है ?
(A) बुनाई (B) हाथी दाँत पर उत्कीर्णन
(C) बढ़ईगिरी (D) म द्भाण्ड संरचना

व्याख्या—(B) *वैदिक काल में बढ़ईगिरी, बुनाई, चमड़े का काम तथा मिट्टी के बर्तन बनाने का काम होता है। यह काम* ***शिल्पकार्य*** *के अन्तर्गत आता है। हाथी दाँत पर उत्कीर्णन का उस काल में प्रचलन में नहीं था।*

96. ऋग्वेद में यदु जन का अधिकतर किसके साथ युग्म बना है ?
(A) पुरू (B) अनु
(C) तुर्वसु (D) द्रुह्यु

व्याख्या—(C) ***यदु*** *और* ***तुर्वसु*** *दोनों* ***वैदिककालीन प्रधान जन थे।*** *भरत जन इन सभी में सबसे प्राचीन था।* ***वैदिक काल में यदु का अधिकतर युग्म तुर्वसु के साथ बना था।***

97. ऋग्वेद का कौन-सा मण्डल है जिसमें विश्वामित्र कुल के सूक्तों का संग्रह है ?
(A) मण्डल V (B) मण्डल II
(C) मण्डल IV (D) मण्डल III

व्याख्या—(D) *ऋग्वेद के तीसरे मण्डल में विश्वामित्र द्वारा रचित सूक्तों का संग्रह है।* ***प्रसिद्ध गायत्री मन्त्र ऋग्वेद के तीसरे मण्डल में ही हैं।*** *यह गायत्री मन्त्र* ***सवित देवी*** *को समर्पित हैं।*

98. वैदिककालीन मूजवन्त निवास स्थान माना जाता था ?
(A) इन्द्र का (B) मरुतों का
(C) वरुण का (D) सोम का

व्याख्या—(D) ***ऋग्वेद का नौवाँ मण्डल सोम देवता को समर्पित है।*** *इसका उपयोग यज्ञ के अवसर पर पेय पदार्थ के रूप में किया जाता था।* ***सोम नामक पेय पदार्थ मूजवन्त पर्वत पर ही पाया जाता था।***

99. निम्नलिखित में से किसने यज्ञीय वैदिक परम्परा का समर्थन किया तथा संन्यास के सिद्धान्त का विरोध किया ?
(A) कुमारिल (B) रामानुज
(C) शंकराचार्य (D) विश्वामित्र

व्याख्या—(A) ***मीमांसा दर्शन के पुरोहित कुमारिल ने वैदिक परम्परा का समर्थन किया तथा संन्यास के सिद्धान्त का विरोध किया।*** इन्होंने कहा कि "ग हस्थ जीवन में यज्ञीय कर्मकाण्ड द्वारा मोक्ष को पाया जा सकता है।"

100. निम्नलिखित देवताओं में से किसके लिए वर्णन है कि उसका रथ बकरे खींचते थे ?
(A) रुद्र (B) यम
(C) वरुण (D) पूषन

व्याख्या—(D) ***ऋग्वैदिक काल में इन्द्र, वरुण और अग्नि आदि प्रमुख देवता थे।*** *ऋग्वेद में पूषन नामक देवता की स्तुति की गई है।* ***पूषन पशुओं के देवता थे तथा इनका रथ बकरे खींचते थे।***

101. ऐतरेय ब्राह्मण के अनुसार कहाँ के शासक सम्राट की उपाधि धारण करते थे ?
(A) उत्तरप्रद (B) प्राच्च
(C) उत्तरकुरु (D) भोज

व्याख्या—(B) *प्राच्च, पूर्व दिशा में स्थित है, वहाँ के शासक* ***सम्राट*** *की उपाधि धारण करते थे। पश्चिम दिशा के शासक* ***स्वराट*** *तथा उत्तरकुरु या उत्तर दिशा के शासक* ***विराट*** *एवं दक्षिण दिशा के शासक* ***भोज*** *की उपाधि धारण करते थे।*

102. किस यज्ञ में 25 यूपों के प्रयोग का विधान था ?
(A) पुरुषमेध (B) वाजपेय
(C) अश्वमेध (D) राजसूय

व्याख्या—(D) *राजसूय यज्ञ में 25 यूपों के प्रयोग का विधान था जबकि वाजपेय यज्ञ में 21 तथा अश्वमेध में 16 यूपों का विधान है।*

103. राज्य के अधिकारी (रत्निन) किस यज्ञ से सम्बन्धित होते थे ?
(A) वाजपेय (B) राजसूय
(C) अश्वमेध (D) सौत्रामणि

व्याख्या—(C) *अश्वमेध यज्ञ तीन दिन तक चलता था। इस यज्ञ में राजा के साथ चार राज्याधिकारी, उनकी चार रानियाँ और 400 सेवक तथा अनेक दरबारी भाग लेते थे।*

104. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द वैदिककालीन क षि उपकरण "हल" का द्योतक है ?
(A) लागल (B) सीर
(C) वक (D) ब्रीह

व्याख्या—(B) *वैदिक काल में क षि उपकरण* ***'हल'*** *को* ***'सीर'*** *नाम से जाना जाता था।*

105. वैदिककालीन 'अध्वर्यु' का अर्थ क्या होता था ?
(A) यज्ञ करने वाल पुरोहित
(B) राजा का शिक्षक
(C) धार्मिक मामलों में राजा का सलाहकार
(D) वैदिककालीन एक ऋचा

व्याख्या—(A) *ऋग्वेद का पाठ करने वाला पुरोहित* ***'होत्र'*** *तथा यजुर्वेद का पाठ करने वाला पुरोहित* ***'अध्वर्यु'*** *और सामदेव का पाठ करने वाला पुरोहित* ***'उद्गात'।*** *अथर्ववेद का पाठ करने वाला पुरोहित* ***'ब्रह्म'*** *कहलाता था।*

106. यज्ञ सम्पादन का निरीक्षण किसका कर्त्तव्य था ?
(A) अध्वर्यु (B) उद्गात
(C) होता (D) ब्रह्मा

व्याख्या—(D) *वैदिक संस्क ति में यज्ञ सत्पादन व निरीक्षण का कार्य* ***ब्रह्मा*** *का होता था।*

107. छान्दोग्य उपनिषद् का सम्बन्ध किस वेद शाखा से है ?
(A) अथर्ववेद (B) यजुर्वेद
(C) सामदेव (D) ऋग्वेद

119. निम्नलिखित में से किसको **'ब्रह्मवेद'** कहा जाता था ?
(A) यजुर्वेद (B) अथर्ववेद
(C) ऋग्वेद (D) सामदेव

व्याख्या—(B) *अथर्ववेद को* ***'ब्रह्मवेद'*** *कहा जाता है क्योंकि इसका प्रधान पुरोहित* ***'ब्रह्म'*** *होता था।*

120. ऋग्वेद के अनुसार सामान्य अपराध निम्नलिखित में से क्या होता था ?
(A) हत्या (B) अपहरण
(C) गाय की चोरी (D) डकैती

व्याख्या—(C) *वैदिक काल में 'गाय' का प्रमुख स्थान था। इसे* ***विनिमय*** *या* ***मुद्रा*** *के रूप में भी उपयोग करते थे। गाय को लेकर बड़े-बड़े युद्ध तक हुआ करते थे।*

121. वैदिक काल में निम्नलिखित में से किस प्रथा का प्रचलन होता था ?
(A) सभी स्त्रियाँ सम्पत्ति की वारिस बन सकती थीं
(B) राजाओं में बहुविवाह प्रचलित थे
(C) सती प्रथा का व्यापक प्रचलन था
(D) स्त्रियों के लिए शिक्षा निषिद्ध थी

व्याख्या—(B) *वैदिक काल में बहुविवाह का प्रचलन होता था।* ***मैत्रायणी संहिता*** *के अनुसार मनु की 10 पत्नियों का उल्लेख हुआ है।*

122. 'सत्यमेव जयते' उक्ति सर्वप्रथम कहाँ व्यक्त की गई ?
(A) मुण्डकोपनिषद् (B) ऋग्वेद
(C) मनुस्म ति (D) ऐतरेय ब्राह्मण

व्याख्या—(A) *'सत्यमेव जयते' नामक आदर्श वाक्य* ***मुण्डकोपनिषद्*** *से लिया गया है। यह भारत सरकार के* ***राजचिह्न*** *पर भी अंकित है। इसका अर्थ है—****सत्य की सदैव जीत होती है।***

123. वैदिक समाज में किसका अस्तित्व था ?
(A) वर्ण व्यवस्था (B) प्रक ति पूजा
(C) पैत क परिवार (D) उपर्युक्त सभी

व्याख्या—(D) *वैदिक समाज पित सत्तात्मक परिवार था जिसमें पिता परिवार का मुखिया होता था। वैदिक लोग प्राक तिक शक्तियों को अपने वश में करने के लिए वैदिक यज्ञ तथा देवताओं के गुणगान किया करते थे। ऋग्वेद के दशवें मण्डल में वर्ण व्यवस्था के उद्‌भव की जानकारी मिलती है।*

124. निम्नलिखित में से ऋग्वेद क्या है ?
(A) गीतों का संग्रह
(B) वशीकरण व जादू-टोना
(C) स्तुतियों का संग्रह
(D) ब्राह्मण ग्रन्थ

व्याख्या—(C) *ऋग्वेद* ***विश्व का सबसे प्राचीन ग्रन्थ है। ऋग्वेद छन्दों एवं चरणों से युक्त स्तुतियों का एक संग्रह है।*** *ऋग्वेद में 10 मण्डल, 1028 सूक्त तथा 10,580 ऋचाएँ हैं।*

125. वैदिक काल में राजा के पश्चात् महत्त्वपूर्ण अधिकारी कौन होता था ?
(A) पुरोहित (B) रानी
(C) सेनानी (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

व्याख्या—(A) *वैदिक काल में* ***राजा*** *के पश्चात् सबसे महत्त्वपूर्ण अधिकारी* ***पुरोहित*** *तथा उसके बाद* ***सेनानी*** *होता था।*

126. पुराण सम्बन्धित हैं—
(A) दर्शन से
(B) वैदिक धर्म से
(C) ऐतिहासिक कथाओं से
(D) क ष्ण भक्ति से

व्याख्या—(C) ***पुराणों की संख्या 18 है।*** *भारतीय ऐतिहासिक कथाओं का सबसे अच्छा क्रमबद्ध विवरण पुराणों में मिलता है। पुराणों के रचयिता* ***लोमहर्ष*** *अथवा उसके पुत्र* ***उग्रश्रवा*** *माने जाते हैं।*

127. प्रारम्भिक वैदिककालीन आर्यों का मुख्य व्यवसाय निम्न-लिखित में से क्या था ?
(A) पशुपालन (B) खेती
(C) शिकार करना (D) व्यापार करना

व्याख्या—(A) *वैदिककालीन मुख्य रूप से कबायली समाज था। आर्यों का मुख्य व्यवसाय पशुपालन था। आर्य गायों के दूध से विभिन्न प्रकार के पकवान बनाते थे।*

128. राजा सुदास जिसके विषय में ऋग्वेद में वर्णन है कि उसने दस राजाओं को पराजित किया, किस जन (Tribe) से सम्बद्ध थे ?
(A) यदु (B) द्रुह्यु
(C) त्रित्सु (D) अन

व्याख्या—(C) *दशराज युद्ध रावी (परुष्णी) नदी के तट पर लड़ा गया था, उस युद्ध का प्रमुख* ***सुदास*** *था जिसे भरत वंश का कहा जाता था।* ***भरत वंश के राजवंश का नाम त्रित्सु था।*** *दशराज युद्ध में त्रित्सु और संजय के विरुद्ध यदु, द्रुह्यु, अनु, तुर्वश, कुरु नामक जन थे।*

129. वैदिक काल में 'गोप' शब्द किसके लिए प्रयोग किया जाता था ?
(A) परिवार के मुखिया के लिए
(B) राजा के लिए
(C) गायों के चरवाहे के लिए
(D) पुरोहित के लिए

व्याख्या—(B) *वैदिक काल में राजा को जन का रक्षक अर्थात्* ***'गोप'*** *कहा जाता था। प्रजा राजा को रक्षा के बदले उपहार देती थी।*

130. ऋग्वेद में कौन-सा देवता 'हिरण्यगर्भ' की उपाधि से जाना जाता था ?
(A) इन्द्र (B) वरुण
(C) ब्रह्म (D) विष्णु

व्याख्या—(C) *ऋग्वेद में* ***'हिरण्यगर्भ' ब्रह्मा*** *को कहा जाता है।*

8. निम्नलिखित में से कौन-सा एक कथन जैन धर्म से सम्बन्धित नहीं है ?
(A) कर्म का जीवन की ओर प्रवाह आस्रव कहलाता है
(B) अवशिष्ट कर्म का जल जाना या पहले से विद्यमान कर्मों का क्षय हो जाना निर्जरा कहलाता है
(C) कर्म का जीव के साथ संयुक्त हो जाना बन्धन कहलाता है
(D) निर्वाण का अर्थ है दीपक का बुझ जाना अर्थात् जीवन-मरण के चक्र से मुक्त हो जाना

व्याख्या—(D) ***बौद्ध धर्म** के **अनुसार जीवन का परम लक्ष्य है निर्वाण की प्राप्ति।** निर्वाण का अर्थ है दीपक का बुझ जाना अर्थात् जीवन-मरण के चक्र से मुक्त हो जाना।*

9. निम्नलिखित में से कौन एक सही सुमेलित नहीं है ?
(A) अवधि — दिव्य ज्ञान
(B) श्रुति — श्रवण ज्ञान
(C) मति — इन्द्रिय ज्ञनित ज्ञान
(D) कैवल्य — दीपक का बुझ जाना

व्याख्या—(D) *निर्ग्रन्थ एवं जितेन्द्रियों को प्राप्त होने वाला पूर्ण ज्ञान **कैवल्य** कहलाता है। महावीर स्वामी को कैवल्य प्राप्त हो जाने पर **केवलिन, जिन (विजेता), अर्ह (योग्य)** एवं **निर्ग्रन्थ (बन्धन रहित)** जैसी उपाधियाँ मिलीं।*

10. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. जैन धर्म ईश्वर को नहीं मानता है।
2. बौद्ध धर्म में वर्ण व्यवस्था को माना है।
3. जैन धर्म पुनर्जन्म एवं कर्मवाद में विश्वास करता है।
4. जैन धर्म में अहिंसा पर विशेष बल दिया गया है।
सही कूट का चयन करें—
कूट :
(A) 1, 2, 3 (B) 1, 3, 4
(C) 2, 3, 4 (D) उपर्युक्त सभी

व्याख्या—(B) ***बौद्ध धर्म** की तरह **जैन धर्म** में भी **वर्ण व्यवस्था की निन्दा** की गई है।*

11. निम्नलिखित में से किन्हें **दक्षिणी जैन** कहा जाता है ?
(A) श्वेताम्बर (B) स्याद्वाद
(C) दिगम्बर (D) उपर्युक्त सभी

व्याख्या—(C) *भद्रबाहु एवं उनके अनुयायियों को **दिगम्बर (दक्षिणी जैन)** कहा जाता है। स्थूलभद्र एवं उनके अनुयायियों को **श्वेताम्बर** कहा गया है।*

12. सत्य के 'अनेकान्त का सिद्धान्त' किस धर्म का विशिष्ट लक्षण है ?
(A) जैन धर्म (B) बौद्ध धर्म
(C) वैष्णव धर्म (D) शैव धर्म

व्याख्या—(A) ***सत्य के अनेकान्त का सिद्धान्त** या **बहुलता का सिद्धान्त जैन धर्म** का विशिष्ट लक्षण है। इसी अनेकान्तवाद का ज्ञानमीमांसीय रूप **स्याद्वाद** का होता है।*

13. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिये गये कूट का उपयोग कर सही उत्तर का चयन कीजिए—

सूची-I तीर्थंकर	**सूची-II जन्म स्थान**
a. ऋषभनाथ	1. काशी
b. सम्भवनाथ	2. कौशाम्बी
c. पद्मप्रभ	3. श्रावस्ती
d. पार्श्वनाथ	4. अयोध्या

कूट :

	a	b	c	d
(A)	1	2	3	4
(B)	2	3	4	1
(C)	3	4	1	2
(D)	4	3	2	1

व्याख्या—(D)

तीर्थंकर	***जन्म स्थान***
ऋषभनाथ	*अयोध्या*
सम्भवनाथ	*श्रावस्ती*
पद्मप्रभु	*कौशाम्बी*
पार्श्वनाथ	*काशी*

14. निम्नलिखित में से किस सम्प्रदाय ने **'कर्मवाद के सिद्धान्त'** का तिरस्कार किया ?
(A) पाशुपत (B) आजीवक
(C) जैन (D) शून्यवादी

व्याख्या—(B) *महावीर स्वामी के **मित्र एवं शिष्य मक्खलिपुत्र गोशाल** ने आजीवक **सम्प्रदाय** की स्थापना की। इस सम्प्रदाय का मत था कि "संसार की प्रत्येक वस्तु भाग्य द्वारा पूर्व नियन्त्रित एवं संचालित होती है। मनुष्य के जीवन स्तर उनके कर्मों का कोई प्रभाव नहीं पड़ता।"*

15. दक्षिण भारत में जैन धर्म का प्रचारक निम्नलिखित में से कौन था ?
(A) जिनसेन (B) भद्रबाहु
(C) जिनप्रभसूरि (D) स्थूलभद्र

व्याख्या—(B) *चन्द्रगुप्त के समय में मगध में 12 वर्षों तक भीषण अकाल पड़ा, जिसके फलस्वरूप चन्द्रगुप्त मौर्य ने **भद्रबाहु** की शिष्यता ग्रहण कर उनके साथ ई. पू. तीसरी सदी में **श्रवणबेलगोला (कर्नाटक)** चले गये जहाँ **सल्लेखना विधि** द्वारा शरीर त्याग दिया।*

16. जैनियों ने अपने उपदेशों के लिए निम्न में से किस भाषा को ग्रहण किया ?
(A) मैथिली (B) मागधी
(C) प्राक त (D) संस्क त

व्याख्या—(C) *जैन धर्म ग्रन्थ **अर्द्ध-मागधी** भाषा में लिखे गये। जैन धर्म में बोलचाल की भाषा **प्राक त** थी।*

एक महासभा का आयोजन हुआ। इसी सभा द्वारा निर्धारित धर्म का स्वरूप आज तक विद्यमान है।

27. बौद्ध धर्म की निम्नलिखित विशेषताओं में से कौन-सी एक, इसे जैन धर्म से भिन्न करती है ?
(A) वेदों की सत्ता को अस्वीकार
(B) कर्म की प्रभावशीलता में विश्वास
(C) सभी प्राणियों को क्षति नहीं पहुँचाने की अभिव त्ति
(D) अत्यधिक सुख और आत्मनिग्रह, दोनों का तिरस्कार

व्याख्या—(D) *बुद्ध ने अष्टांगिक मार्ग के अन्तर्गत अधिक सुखपूर्ण जीवन व्यतीत करना या अत्यधिक काया-क्लेश में संलग्न होना दोनों को वर्जित किया है। बुद्ध ने मध्यम मार्ग पर चलने का आदेश दिया है। जैन धर्म में तप पर अत्यधिक बल दिया है।*

28. सूची-I तथा सूची-II को सुमेलित कीजिए और सूचियों के नीचे दिये गये कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए—

सूची-I	सूची-II
a. आचारांग सूत्र	1. वैदिक
b. अंगुत्तर निकाय	2. भागवत
c. पंचरात्र संहिता	3. जैन
d. वाजसनेयी संहिता	4. बौद्ध

कूट :

	a	b	c	d
(A)	4	3	1	2
(B)	3	4	2	1
(C)	3	4	1	2
(D)	4	3	2	1

व्याख्या—(B) ***आचारांग सूत्र*** *जैन धर्म का ग्रन्थ है तथा* ***अंगुत्तर निकाय*** *बौद्ध धर्म का ग्रन्थ है। पंचरात्र संहिता भागवत धर्म से सम्बन्धित है। वाजसनेही क ष्ण यजुर्वेद (वैदिक) की शाखा है।*

29. कथन (A) : बौद्ध भिक्षुणियाँ भिक्षुओं के पर्यवेक्षण में रहती थीं।
कारण (R) : भिक्षुणियों के लिए एक विशेष संहिता थी जिसे भिक्कुनीपतिमोक्ख कहते थे।
कूट :
(A) A और R दोनों सही हैं और R, A का सही स्पष्टीकरण है
(B) A और R दोनों सही हैं, परन्तु R, A का सही स्पष्टीकरण है
(C) A सही है, परन्तु R गलत है
(D) A गलत है, परन्तु R सही है

व्याख्या—(D) *गौतम बुद्ध ने भिक्षुओं को वरीयता तो दी परन्तु पर्यवेक्षण का अधिकार नहीं दिया। भिक्षुणियों के लिए एक विशेष संहिता* ***"भिक्कुनीपतिमोक्ख"*** *थी।*

30. कथन A : जैनी तीर्थंकरों की मूर्तियों की पूजा करते हैं।
कारण R : वे परमसत्ता के अस्तित्व को अस्वीकार करते हैं।
कूट :
(A) A और R दोनों सही हैं और R, A का सही स्पष्टीकरण है
(B) A और R दोनों सही हैं, परन्तु R, A का सही स्पष्टीकरण है
(C) A सही है, परन्तु R गलत है
(D) A गलत है, परन्तु R सही है

व्याख्या—(C) *जैन लोग,* ***महावीर स्वामी*** *और* ***अन्य तीर्थंकरों की पूजा करते हैं। जैन धर्म ईश्वर की सत्ता में विश्वास नहीं करते।***

31. निम्नलिखित में से जैन धर्म के किस ग्रन्थ में तीर्थंकरों के जीवन-चरित्र हैं, उसका क्या नाम है ?
(A) आदिपुराण (B) भगवती सूत्र
(C) उवासगदसाओं (D) कल्पसूत्र

व्याख्या—(B) *जैन ग्रन्थ* ***भगवती सूत्र*** *में* ***तीर्थंकरों के जीवन चरित्र का वर्णन मिलता है।***

32. वैशाली में हुई किस बौद्ध सभा में बौद्ध सभा में बौद्ध धर्म **स्थाविरवादियों** तथा **महासान्धिकों** में विभक्त हो गया ?
(A) प्रथम (B) द्वितीय
(C) त तीय (D) चतुर्थ

व्याख्या—(B) *वैशाली में आयोजित द्वितीय बौद्ध संगीति में बौद्ध संघ दो सम्प्रदायों* ***स्थाविर*** *व* ***महासान्धिक*** *में विभाजित हो गया। इस सभा की अध्यक्षता* ***सब्बाकामी*** *ने की थी।*

33. भारत में संगमरमर की सर्वोच्च नक्काशी (Finest marble carvings) के लिए प्रसिद्ध जैन मन्दिर अवस्थित है—
(A) ग्वालियर में (B) दिलवाड़ा में
(C) किराडू में (D) मोघरा में

व्याख्या—(B) *राजस्थान में आबू पर्वत पर* ***दिलवाड़ा का जैन मन्दिर*** *स्थित है। यह मन्दिर संगमरमर की सर्वोत्तम नक्काशी के लिए प्रसिद्ध है।*

34. निम्नलिखित शासकों में से कौन जैन धर्म के संरक्षक थे ?
1. चन्द्रगुप्त मौर्य 2. खारवेल
3. बिम्बिसार
नीचे दिये गये कूट से सही उत्तर छाँटिए—
कूट :
(A) 1, 2 और 3 (B) 1 और 3
(C) 2 और 3 (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

व्याख्या—(A) *जैन धर्म से प्रभावित होने वाले प्रमुख शासक थे—* ***चन्द्रगुप्त मौर्य, खारवेल, बिम्बिसार, अजातशत्रु, उदयिन, प्रद्योत, म गावती*** *(कौशाम्बी नरेश की रानी)।*

35. बुद्ध निम्नलिखित में से किन बातों की नहीं मानते थे ?
1. वेदों की प्रामाणिकता
2. ब्राह्मणों का श्रेष्ठता
3. पुनर्जन्म की सिद्धान्त
4. यज्ञों की फलोत्पादकता

व्याख्या—(D) ***(1) प्रथम बौद्ध संगीति—****483 ई. पू.*
स्थान*—राजग ह*
अध्यक्ष *—महाकस्सप*
शासक*—अजातशत्रु (हर्यक वंश)*
उद्देश्य *—बुद्ध के उपदेशों को दो पिटकों विनय तथा सुत्त पिटक में संकलित किया गया।*
(2) द्वितीय बौद्ध संगीति—*383 ई. पू.*
स्थान *—वैशाली*
अध्यक्ष *—सब्बाकामी*
शासक*—कालाशोक*
उद्देश्य *—अनुशासन को लेकर मतभेद के कारण बौद्ध धर्म* ***स्थाविर*** *एवं* ***महासान्धिक*** *दो भागों में बँट गया।*
(3) त तीय बौद्ध संगीति—*251 ई. पू.*
स्थान *—पाटलिपुत्र*
अध्यक्ष *—मोग्गलिपुत्त तिस्स*
शासक*—अशोक*
उद्देश्य *—संघ भेद के विरुद्ध कठोर नियमों का प्रतिपादन करके बौद्ध धर्म को स्थायित्व प्रदान किया। इसमें तीसरा पिटक* ***अभिधम्मपिटक*** *जोड़ा गया।*
(4) चतुर्थ बौद्ध संगीति—*ई. की प्रथम शताब्दी*
स्थान *—कुण्डलवन (कश्मीर)*
अध्यक्ष *—वसुमित्र*
शासक*—कनिष्क*
उद्देश्य *—बौद्ध धर्म दो सम्प्रदायों* ***हीनयान*** *तथा* ***महायान*** *में विभाजित।*

44. स्तूप के सम्बन्ध में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन असत्य है ?
(A) इसमें गर्भग ह होता है
(B) इसके ऊपर छत्र रहता है
(C) इसके चारों ओर वेदिका रहती है
(D) इसके साथ प्रदक्षिणा पथ रहता है

व्याख्या—(A) *स्तूप में गर्भग ह नहीं होता है। स्तूप के चारों ओर एक घेरा और उसमें लगा हुआ एक रास्ता होता था। इसके चारों ओर एक वेदिका (दीवार) होती है।*

45. अष्टांगिक मार्ग की अवधारणा निम्नलिखित में से किसका विषय है ?
(A) दिव्यावदान (B) दीपवंश
(C) धर्मचक्र प्रवर्तन सूत्र (D) महापरिनिर्वाण सूत्र

व्याख्या—(C) *दुःख को हरने वाले तथा त ष्णा का नाश करने वाले अष्टांगिक मार्ग के आठ अंग हैं। इन्हें* ***धर्मचक्र प्रवर्तन सूत्र*** *कहा जाता है। ये निम्न हैं—(1) सम्यक् द ष्टि, (2) सम्यक् संकल्प, (3) सम्यक् वाणी, (4) सम्यक् कर्मान्त, (5) सम्यक् आजीव, (6) सम्यक् व्यायाम, (7) सम्यक् स्म ति, (8) सम्यक् समाधि।*

46. निम्नलिखित में से कौन-सा धर्म यक्ष एवं यक्षणियों की पूजा में विश्वास था ?
1. ब्राह्मण धर्म 2. कालामुख सम्प्रदाय
3. जैन धर्म 4. बौद्ध धर्म
नीचे दिये गये कूटों से सही उत्तर चुनिए—
कूट :
(A) 1, 2 एवं 3 (B) 1, 2 एवं 4
(C) 2, 3 एवं 4 (D) 1, 3 एवं 4

व्याख्या—(D) *यक्ष एवं यक्षणियों की पूजा में विश्वास* ***ब्राह्मण, बौद्ध, जैन*** *तीनों धर्मों में था।*

47. निम्नलिखित में से कौन प्रत्यक्ष प्रमाण स्वीकार करता है ?
(A) लोकायत (B) न्याय
(C) सांख्य (D) मीमांसा

व्याख्या—(A) ***लोकायत*** *दर्शन के प्रवर्तक* ***चार्वाक*** *हैं। यह दर्शन किसी अलौकिक शक्ति में विश्वास नहीं करता। यह दर्शन वस्तुओं की यथार्थता को स्वीकार करता है।*

48. कौन पर्वत जैनों में पावन माना जाता है ?
1. अर्बुदगिरि 2. शत्रुजयगिरि
3. चन्द्रगिरि 4. ऊर्जयन्तगिरि
नीचे दिये गये कूटों से सही उत्तर का चयन कीजिए—
कूट :
(A) 1 एवं 3 (B) 2 एवं 4
(C) केवल 1 (D) 1, 2, 3 तथा 4

व्याख्या—(D) *अर्बुदगिरि, शत्रुजयगिरि, चन्द्रगिरि, ऊर्जयन्त गिरि आदि जैन धर्म के पावन स्थल हैं।*

49. सात्वत विधि शब्द का क्या तात्पर्य है ?
(A) महायान दर्शन (B) तान्त्रिक कार्य
(C) लकुलीश दर्शन (D) भागवत धर्म

व्याख्या—(D) ***सात्वत विधि*** *मुख्य रूप से* ***भागवत धर्म*** *का अनुष्ठान है। परम्परानुसार भागवत धर्म के प्रवर्तक व ष्णि वंशीय क ष्ण थे।*

50. ह्वेनसांग ने किस प्रदेश में जैन धर्म को सम द्ध स्थिति में देखा था ?
(A) कश्मीर (B) अवध
(C) उड़ीसा (D) बंगाल

व्याख्या—(D) *ह्वेनसांग ने बंगाल में जैन धर्म को सम द्ध स्थिति में देखा था।*

51. वज्रयान धर्म में बुद्ध/बोधिसत्व की संगिनी कहा जाता था—
(A) तारा (B) योगिनी
(C) डाकिनी (D) मातंगी

व्याख्या—(A) *वज्रयान सम्प्रदाय की प्रधान देवी तारा मुक्तिप्रदात्री देवी थीं जो बुद्ध एवं बोधिसत्व की पत्नी थीं।*

52. निम्नलिखित में से कौन-से शब्द जैन ग्रन्थों को निर्दिष्ट करने में प्रयुक्त होते हैं?
1. निर्ग्रन्थ 2. पूर्व
3. अंग 4. उपांग
कूट :
(A) 1, 2, 3 (B) 3, 4
(C) 2, 3, 4 (D) उपर्युक्त सभी

व्याख्या—(A)

घटना		***प्रतीक***
जन्म	—	*कमल व साँड*
गृहत्याग	—	*घोड़ा*
ज्ञान	—	*पीपल (बोधिवृक्ष)*
निर्वाण	—	*पदचिह्न*
मृत्यु	—	*स्तूप*

63. निम्नलिखित में से कौन-सा एक बौद्ध धर्म का ग्रन्थ नहीं है ?
(A) दीपवंश (B) महावंश
(C) ललितविस्तर (D) परिशिष्टपर्वन

व्याख्या—(D) ***परिशिष्टपर्वन*** *एक जैन ग्रन्थ है। इस ग्रन्थ के लेखक* ***हेमचन्द्र*** *हैं। यह* ***अपभ्रंश भाषा का प्रथम व्याकरण ग्रन्थ है।***

64. द्वितीय जैन सम्मेलन निम्नलिखित में से कहाँ आयोजित हुआ था ?
(A) पाटलिपुत्र (B) वल्लभी
(C) मथुरा (D) उज्जैन

व्याख्या—(B) *512 ई. में द्वितीय जैन सम्मेलन* ***वल्लभी (गुजरात)*** *में* ***देवर्धिक्षमाश्रमण*** *की अध्यक्षता में आयोजित हुआ था।*

65. महावीर के निर्वाण के पश्चात् जैन संघ का नेतृत्व निम्नलिखित में से किसने सँभाला था ?
(A) हरिषेण (B) इन्द्रभूति
(C) वायुभूति (D) मैत्रेय

व्याख्या—(B) ***इन्द्रभूति*** *और* ***सुधर्मन*** *के अतिरिक्त सभी गणधरों की मृत्यु महावीर के जीवन काल में ही हो गयी थी।*

66. निम्नलिखित में से **"बसदि"** क्या है?
(A) इन्द्रिय जनित ज्ञान (B) दिव्य ज्ञान
(C) जैन मठ (D) मूलगण

व्याख्या—(C)

जैन शब्द		***अर्थ***
मति	—	*इन्द्रिय जनित ज्ञान*
अवधि	—	*दिव्य ज्ञान*
बसदि	—	*कर्नाटक स्थित जैन मठ*
मूलगण	—	*मुनियों तथा आर्यिकाओं के लिए 28 कठोर नियम*

67. प्रारम्भिक जैन धर्म का इतिहास निम्नलिखित में से किस ग्रन्थ में मिलता है ?
(A) कल्पसूत्र में (B) परिशिष्ट पर्वन में
(C) भगवती सूत्र में (D) उपर्युक्त सभी में

व्याख्या—(A) *जैन धर्म का प्रारम्भिक इतिहास* ***'कल्पसूत्र'*** *में मिलता है। कल्पसूत्र में महावीर से पहले के 23 तीर्थंकरों का वर्णन मिलता है।*

68. जैन धार्मिक ग्रन्थ अंगों का संकलन सर्वप्रथम किस सम्मेलन के अन्तर्गत किया गया था ?
(A) वैशाली (B) मथुरा
(C) वल्लभी (D) पाटलिपुत्र

व्याख्या—(D) *जैन धार्मिक ग्रन्थ अंगों का संकलन चौथी शताब्दी ई. पू. सर्वप्रथम* ***'पाटलिपुत्र'*** *सम्मेलन के अन्तर्गत किया गया है। इस सम्मेलन की अध्यक्षता* ***स्थूलभद्र*** *ने की थी।*

69. बुद्ध ने सर्वप्रथम किस स्त्री को संघ में आने की अनुमति प्रदान की ?
(A) तारा (B) आम्रपाली
(C) प्रजापति गौतमी (D) यशोधरा

व्याख्या—(C) *प्रारम्भ में बुद्ध महिलाओं के संघ में प्रवेश के विरोधी थे। अपने प्रिय शिष्य आनन्द के अनुरोध तथा सौतेली माता प्रजापति गौतमी के अनुनय विनय पर उन्होंने महिलाओं को संघ में प्रवेश की अनुमति दे दी।* ***प्रजापति गौतमी संघ में प्रवेश करने वाली पहली महिला थीं।***

70. निम्नलिखित में से किस भारतीय राजवंश ने जैन धर्म को राजकीय संरक्षण प्रदान नहीं किया ?
(A) गंग (B) सातवाहन
(C) राष्ट्रकूट (D) चालुक्य

व्याख्या—(B) *सातवाहन राजवंश ने जैन धर्म को राजकीय संरक्षण प्रदान नहीं किया।* ***सातवाहन शासक वैदिक धर्मानुयायी एवं ब्राह्मण धर्म के पोषक थे।***

71. कथन (A) : आजीवक कठोर संन्यास व्रत का पालन करते थे।

कारण (R) : वे नियति के सिद्धान्त में विश्वास करते थे।
(A) A और R दोनों सही हैं तथा A की सही व्याख्या R है
(B) A और R दोनों सही हैं परन्तु A की सही व्याख्या R नहीं है
(C) A सही है किन्तु R गलत है
(D) A गलत है किन्तु R सही है

व्याख्या—(B) *आजीवक सम्प्रदाय के* ***संस्थापक मक्खलि गोसाल*** *थे। वे* ***नियतिवाद*** *में विश्वास करते थे तथा जैनों की तरह कठोर संन्यास व्रत का पालन करते थे।*

72. जैन धर्म के 22वें तीर्थंकर नेमिनाथ निम्नलिखित में से किससे सम्बन्धित थे ?
(A) बिम्बिसार (B) कृष्ण
(C) परशुराम (D) उदयन

व्याख्या—(B) *जैन धर्म के 22वें तीर्थंकर* ***नेमिनाथ कृष्ण*** *से सम्बन्धित थे। उन्हें कृष्ण का समकालीन बताया गया है।*

73. निम्नलिखित समकालीन राजाओं में से कौन गौतम बुद्ध की आयु का था ?
(A) उदयन (B) प्रसेनजित
(C) बिम्बिसार (D) महापद्मनन्द

व्याख्या—(C) *बिम्बिसार ने मगध में* ***हर्यक वंश*** *की स्थापना की थी। बिम्बिसार, गौतम बुद्ध की समान आयु के थे।*

74. निम्नलिखित में से कौन-सा स्थान जेतवन विहार का प्रतिनिधित्व करता है ?
(A) मेहत (B) सहेत
(C) पिपरहवा (D) तिलौरा कोट

86. जैन एवं बौद्ध धर्म से समान तत्त्वों के सम्बन्ध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें—
1. अत्यधिक तपस्या के मार्ग की स्वीक ति
2. वेदों की प्रामाणिकता की अस्वीक ति
3. वैदिक यज्ञों की फलवत्ता का प्रतिकार
4. प्राणियों की हिंसा का निषेध
उपर्युक्त में से कौन सही हैं ?
कूट :
(A) 1, 2 एवं 3 (B) 2, 3 एवं 4
(C) 1, 3 एवं 4 (D) 1 और 2

व्याख्या—(B) *जैन धर्म अत्यधिक तपस्या की स्वीक ति देता है जबकि बौद्ध धर्म मध्यम मार्ग अपनाने पर बल देता है।*

87. शून्यवादी दर्शन का संस्थापक कौन था ?
(A) नागार्जुन (B) महावीर
(C) अश्वघोष (D) बुद्ध

व्याख्या—(A) *बौद्ध धर्म की महायान शाखा के अन्तर्गत शून्यवाद अथवा सापेक्षवाद मत का संस्थापक* ***नागार्जुन*** *को माना जाता है।*

88. निम्नलिखित में से जैन धर्म विश्वास नहीं करता है—
(A) सप्तभंगीय (B) व्यूहवाद
(C) न्यायवाद (D) स्याद्वाद

व्याख्या—(B) ***व्यूहवाद वैष्णव धर्म*** *से सम्बन्धित है।*

89. विज्ञानवाद (योगाचार) सम्प्रदाय की स्थापना निम्नलिखित में से किसने की थी ?
(A) मैत्रेयनाथ (B) नागार्जुन
(C) अश्वघोष (D) वसुबन्धु

व्याख्या—(A) *बौद्ध धर्म की महायान शाखा के अन्तर्गत* ***विज्ञानवाद*** *अथवा* ***योगाचार*** *मत का संस्थापक* ***मैत्रेयनाथ*** *था।*

90. जैन धर्म में संलेखना से क्या तात्पर्य है ?
(A) सुलेखन कला (B) स्याद्वाद
(C) तीर्थंकर की जीवनी (D) उपवास द्वारा प्राण त्याग

व्याख्या—(D) *जैन धर्म में* ***संलेखना*** *को मोक्ष प्राप्ति का एक साधन माना जाता है। इसके अन्तर्गत घोर तपस्या तथा उपवास द्वारा प्राण त्यागना शामिल है।*

91. वे स्तूप जिनमें बुद्ध तथा उनके शिष्यों की अस्थि रखी जाती थीं। क्या कहलाते थे?
(A) उद्देशिक (B) संकल्पित
(C) शारीरिक (D) पारिभोगिक

व्याख्या—(C) स्तूप के चार प्रकार—

(1) ***शारीरिक****—बुद्ध तथा उनके शिष्यों की अस्थियाँ रखी जाती थीं।*

(2) ***उद्देशिक****—वे स्तूप जिनमें बुद्ध के जीवन की घटनाओं से सम्बन्धित स्थल स्म ति रूप में निर्मित होते थे।*

(3) ***संकल्पित****—ये छोटे आकार के थे। इन्हें बौद्ध तीर्थ स्थलों पर श्रद्धालुओं द्वारा स्थापित किया जाता था।*

(4) ***पारिभोगिक****—इसमें बुद्ध द्वारा उपयोग में लायी गयी वस्तुएँ रखी जाती थीं।*

92. गौतम बुद्ध के समय भौतिकवाद का व्याख्याता कौन था ?
(A) शुक्र (B) अजितकेशकम्बली
(C) मक्खलिगोशाल (D) अश्वघोष

व्याख्या—(B) ***अजितकेशकम्बली नितान्त भौतिकवादी था,*** *इसका मत था कि म त्यु के बाद कुछ भी शेष नहीं बचता।*

93. सप्तभंगीनय किसका विशेष लक्षण है ?
(A) जैन धर्म (B) शैव धर्म
(C) बौद्ध धर्म (D) वैष्णव धर्म

व्याख्या—(A) *महावीर स्वामी ने आत्मवादियों तथा नास्तिकों के एकान्तिक मत को छोड़कर अन्य मतों को अपनाया जिसे* ***अनेकान्तवाद*** *या* ***स्याद्वाद*** *अथवा* ***सप्तभंगीनय*** *कहा गया है। यह ज्ञान की* ***सापेक्षता का सिद्धान्त है।***

94. चीनी ग्रन्थों के आधार पर, किसने गया के बोधिव क्ष को कटवा दिया था ?
(A) मिहिरकुल (B) शशांक
(C) पुष्यमित्र (D) धर्मपाल

व्याख्या—(B) *बंगाल के गौड नरेश* ***शशांक*** *ने प्रतिक्रियास्वरूप गया में बोधिव क्ष को कटवा दिया था जिसके नीचे बुद्ध को ज्ञान की प्राप्ति हुई थी।*

95. चैत्य क्या थे ?
(A) पूजा कक्ष
(B) संन्यासियों के निवास
(C) तीर्थयात्रियों के विश्राम घर
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

व्याख्या—(A) ***चैत्यग ह को गुहा मन्दिर*** *कहा जाता है। बौद्ध धर्म में बुद्ध की मूर्ति के निर्माण का विधान न होने से बुद्ध प्रतीक के रूप में पूजे जाते थे। पूजार्थक स्तूप को ही* ***चैत्य*** *कहते थे।*

96. जैन धर्म एवं बौद्ध धर्म के विषय में कौन-सा कथन असत्य है ?
(A) दोनों में ही विभाजन हुआ था
(B) दोनों कर्म में विश्वास रखते हैं
(C) दोनों का ही विदेशों में प्रसार हुआ
(D) दोनों की ही हिन्दू धर्म के साथ समानताएँ हैं

व्याख्या—(C) *बौद्ध धर्म का प्रसार ही भारत से बाहर, चीन, जापान, नेपाल, म्याँमार, इण्डोनेशिया, भूटान, कोरिया, जावा, सुमात्रा आदि देशों में हुआ। लेकिन जैन धर्म का प्रसार भारत तक ही सीमित रहा।*

97. 'पूर्व' किसके धार्मिक ग्रन्थ हैं ?
(A) सतनामियों के (B) बौद्धों के
(C) कबीरपंथियों के (D) जैनों के

व्याख्या—(D) *'पूर्व' प्राचीनतम जैन धर्मों को कहा जाता था। भद्रबाहु के दक्षिण भारत चले जाने पर स्थूलभद्र के नेत त्व में 14 पूर्वों का स्थान 12 अंगों ने लिया था।*

व्याख्या—(A)

प्रमुख सम्प्रदाय	*मत*	*आचार्य*
वैष्णव सम्प्रदाय	*विशिष्टाद्वैत*	*रामानुज*
ब्रह्म सम्प्रदाय	*द्वैतवाद*	*माधवाचार्य*
रुद्र सम्प्रदाय	*शुद्धाद्वैत*	*वल्लभाचार्य/ विष्णु स्वामी*
सनक सम्प्रदाय	*द्वैताद्वैत*	*निम्बार्क*

110. निम्नलिखित में से कौन पाशुपत सम्प्रदाय के संस्थापक थे ?
(A) पतंजलि (B) भैरव
(C) बासव (D) लकुलीश

व्याख्या—(D) ***पाशुपत सम्प्रदाय*** *शैव मत का सबसे पुराना सम्प्रदाय है। इस सम्प्रदाय की स्थापना* ***लकुलीश*** *ने की थी। इन्हें भगवान शिव के 18 अवतारों में से एक माना जाता है।*

111. वीरशैव सम्प्रदाय की स्थापना निम्नलिखित में से किसने की थी ?
(A) बासव (B) भैरव
(C) मत्स्येन्द्रनाथ (D) वसुगुप्त

व्याख्या—(A) ***वीरशैव*** *अथवा* ***लिंगायत*** *सम्प्रदाय की स्थापना* ***बासव*** *ने की थी। लिंगायत शिवलिंग को चाँदी के सम्पुट में रखकर गले में धारण करते थे।*

112. लिंग पूजा का प्रथम प्रमाण कहाँ से प्राप्त होता है ?
(A) ऋग्वेद (B) मत्स्य पुराण
(C) शतपथ ब्राह्मण (D) अथर्ववेद

व्याख्या—(B) ***लिंग पूजा का प्रथम स्पष्ट उल्लेख मत्स्य पुराण*** *में मिलता है। महाभारत के अनुशासन पर्व में भी लिंगोपासना का उल्लेख मिलता है।*

113. गौतम बुद्ध के काल में कुल कितने गणराज्य थे ?
(A) 8 (B) 16
(C) 10 (D) 12

व्याख्या—(C) *बुद्ध के समय में कुल 10 गणराज्य थे। जिसमें 8* ***वज्जिसंघ*** *तथा 2* ***मल्ल*** *के अन्तर्गत थे। ये निम्न हैं—(1) कपिलवस्तु के शाक्य, (2) सुमसुमार गिरि के मग्ग, (3) अल्लकप्प के बुली, (4) केसपुत्त के कालाम, (5) रामग्राम के कोलिय, (6) पिप्पलिवन के मोरिय, (7) वैशाली के लिच्छवि, (8) मिथिला के विदेय, (9) कुशीनारा के मल्ल, (10) पावा के मल्ल।*

114. बुद्ध काल का सबसे बड़ा गणराज्य कौन-सा था ?
(A) कपिलवस्तु (B) कुशीनारा
(C) मिथिल (D) वैशाली

व्याख्या—(D) *बुद्ध के समय में सबसे बड़ा तथा शक्तिशाली गणराज्य* ***वैशाली*** *का* ***लिच्छवि*** *गणराज्य था।*

115. निम्नलिखित में से कौन एक विख्यात पाशुपत आचार्य थे ?
(A) श्रीकरपण्डित (B) पूर्णकश्यप
(C) उद्योत्कर (D) शान्तिनाथ

व्याख्या—(A) ***श्रीकरपण्डित, पाशुपत मत*** *के आचार्य थे।* ***उद्योत्कर*** *शैव मत के आचार्य तथा* ***पूर्णकश्यप*** *घोर* ***अक्रियावादी*** *आचार्य थे।* ***शान्तिनाथ*** *जैन धर्म के 16वें तीर्थंकर थे।*

116. सोलह महाजनपदों के उदय के कारण के रूप में सम्बन्धित नहीं है—
(A) कृषि प्रचार
(B) विदेशियों के द्वारा विजित होने का भय
(C) लोहे का विस्तृत प्रयोग
(D) व्यापार तथा नगरीकरण का विकास

व्याख्या—(B) *छठी शताब्दी ई. पू. में लोहे का व्यापक प्रयोग होने से कृषि प्रसार होने लगा। लोहे के हथियारों के कारण योद्धा वर्ग महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा करने लगा। कृषि क्षेत्र में अत्यधिक उत्पादन से व्यापार तथा नगरीकरण हुआ तथा छोटे नगर धीरे-धीरे महाजनपदों में बदल गये।*

117. मेगस्थनीज द्वारा डायोनिसियस एवं हेराक्लीज के रूप में किन भारतीय देवताओं की पहचान की गई है ?
(A) अग्नि व वरुण (B) इन्द्र एवं यम
(C) शिव एवं कृष्ण (D) सूर्य एवं कार्तिकेय

व्याख्या—(C) *मेगस्थनीज ने* ***डायोनिसियस की शिव*** *और* ***हेराक्लीज की कृष्ण*** *के रूप में पूजा का उल्लेख किया है।*

118. भागवत धर्म के प्रवर्तक कृष्ण के गुरु कौन थे ?
(A) संकर्षण (B) वसुदेव
(C) प्रद्युम्न (D) घोर अंगीरस

व्याख्या—(D) *छान्दोग्य उपनिषद् में कृष्ण को देवकी पुत्र कहा गया है तथा* ***घोर अंगीरस*** *का शिष्य बताया गया है।*

119. बुद्ध का शिष्य आनन्द था—
(A) वज्जि (B) शाक्य
(C) मल्ल (D) लिच्छवि

व्याख्या—(B) *राजा शुद्धोधन पूर्वोत्तर बिहार में शाक्यों के गणराज्य के थे। अतः आनन्द शाक्य था।*

120. किस स्थान के उत्खनन से कपिलवस्तु के साक्ष्य प्राप्त होते हैं ?
(A) लुम्बिनी (B) सोहगौरा
(C) अयोध्या (D) पिपरहवा

व्याख्या—(D) ***कपिलवस्तु*** *की राजधानी की पहचान उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले में* ***पिपरहवा*** *नामक स्थान से की गई है।*

121. निम्नलिखित में से किस स्थान को बौद्ध धर्म की जन्मस्थली कहा जा सकता है ?
(A) लुम्बिनी (B) सारनाथ
(C) राजगृह (D) कुशीनगर

व्याख्या—(B) *सारनाथ वही स्थान है जहाँ बुद्ध ने प्रथम धर्मोपदेश दिया था, इसलिए यही बौद्ध धर्म की स्थापना का सूचक है। सारनाथ उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले में स्थित है।*

10. प्राचीन भारत में भारत का आक्रमण करने में प्रथम सफलता किसे प्राप्त हुई ?
(A) साइरस (B) दारा प्रथम
(C) सिकन्दर (D) दारा त तीय

व्याख्या—(B) ***हेरोडोट्स, एरियन, स्ट्रैबो*** *के अनुसार पश्चिम एशिया के सर्वाधिक शक्तिशाली शासक* ***साइरस*** *ने जेड्रोसिया से होकर भारत पर आक्रमण करने का असफल प्रयास किया था।* ***भारत पर आक्रमण करने में प्रथम सफलता दारा प्रथम (दारयबहु)*** *को प्राप्त हुई थी।*

11. भारत पर प्रथम आक्रमण किस वंश के शासक ने किया था ?
(A) हखामनी वंश (B) बुकाफेला वंश
(C) काकवर्ण वंश (D) नन्द वंश

व्याख्या—(A) *भारत पर प्रथम विदेशी आक्रमण* ***ईरान के हखामनी*** *वंश के राजाओं (पारसीक) साम्राज्य ने किया था।*

12. ईरानी आक्रमण का प्रभाव भारत में किस एक क्षेत्र पर नहीं पड़ा ?
(A) समुद्री मार्ग की खोज से विदेशी व्यापार को प्रोत्साहन मिला
(B) अभिलेख उत्कीर्ण करने की प्रथा प्रारम्भ हुई
(C) ईरानियों की **"क्षत्रप"** शासन प्रणाली का शक-कुषाण युग में पर्याप्त विकास
(D) ईरानियों की **आरमेइक लिपि** को भारतियों ने स्वीकार नहीं किया

व्याख्या—(D) *पश्चिमोत्तर भारत में दायीं से बायीं ओर लिखी जाने वाली* ***खरोष्ठी लिपि*** *का प्रचार तथा ईरानियों की* ***आरमेइक लिपि*** *का भारतीयों द्वारा* ***प्रचार-प्रसार*** *हुआ।*

13. निम्नलिखित में से कौन-सा अभिलेख दारा प्रथम का नहीं है ?
(A) बेहिस्तून (B) नक्शेरुस्तम
(C) गुर्जरा (D) पर्सिपोलिस

व्याख्या—(C) *दारा प्रथम के तीन अभिलेखों* ***बेहिस्तून, पर्सिपोलिस*** *एवं* ***नक्शेरुस्तम*** *से यह प्रमाणित होता है कि उसी ने सर्वप्रथम सिन्धु नदी के तटवर्ती भारतीय भू-भागों का जीता था।*

14. सिकन्दर ने **वितस्ता के युद्ध** में किस वर्ष राजा पौरस को परास्त किया था ?
(A) 316 ई. पू. (B) 326 ई. पू.
(C) 376 ई. पू. (D) 324 ई. पू.

व्याख्या—(B) ***326 ई. पू. में*** *सिकन्दर ने सिन्धु नदी पार कर भारत की धरती पर झेलम नदी के तट पर राजा पौरस को परास्त किया। इस युद्ध को* ***"हाइडेस्पीज के युद्ध"*** *के नाम से भी जाना जाता है।*

15. सिकन्दर ने झेलम नदी के तट पर किस नगर की स्थापना की थी ?
(A) पर्सिपोलिस (B) निकैया
(C) बुकाफेला (D) (B) व (C) दोनों

व्याख्या—(D) *सिकन्दर ने झेलम नदी के तट पर दो नगरों की स्थापना की थी। पहला* ***निकैया (विजयनगर),*** *विजय प्राप्त करने उपलक्ष्य में तथा दूसरा अपने प्रिय घोड़े के नाम पर* ***बुकाफेला*** *नगर की स्थापना की।*

16. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन असत्य है ?
(A) सिकन्दर ने 36 ई. पू. में खैबर दर्रे को पार कर भारत पर आक्रमण किया
(B) किसी भारतीय स्रोत में सिकन्दर के आक्रमण का कोई उल्लेख नहीं है
(C) यूनानी स्रोतों में कौटिल्य (चाणक्य) का कोई उल्लेख नहीं है
(D) सिकन्दर के भारत में पहुँचने पर राजा आम्भी ने सिकन्दर की कोई सहायता नहीं की

व्याख्या—(D) *सिकन्दर के भारत पहुँचने पर* ***तक्षशिला*** *के राजा* ***आम्भी*** *ने आत्मसमर्पण किया तथा उसे आगे के अभियानों में सहयोग का वचन दिया।*

17. सिकन्दर ने जलमार्ग से अपनी सेना किसके नेत त्व में भेजी थी ?
(A) नियार्कस (B) फिलिप
(C) गौगमेला (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

व्याख्या—(A) *पाटल में सिकन्दर की अन्तिम विजय थी। पाटल से ही सिकन्दर ने अपनी सेना के साथ स्थल मार्ग से यूनान की ओर प्रस्थान किया तथा पाटल से ही सिकन्दर ने अपने जहाजों को* ***नियार्कस के नेत त्व में जलमार्ग से घर की ओर भेजा।***

18. निम्नलिखित में से किस स्थान पर सिकन्दर की म त्यु हुई थी ?
(A) पाटल (B) बेबीलोन
(C) जेड्रोसिया (D) वाजिरा

व्याख्या—(B) *सिकन्दर के वापसी यात्रा के समय* ***323 ई. पू. में बेबीलोन*** *में म त्यु हो गयी।*

19. सुश्रुत ने किस क्षेत्र में अध्ययन किया है ?
(A) रोग विज्ञान (B) तान्त्रिक विद्या
(C) शल्य चिकित्सा (D) होमियोपैथिक

व्याख्या—(C) *सुश्रुत के अध्ययन का केन्द्र-बिन्दु शल्य चिकित्सा था। इन्होंने* ***सुश्रुत संहिता*** *नामक ग्रन्थ की रचना की। इन्हें ही प्लास्टिक सर्जरी का जनक भी माना जाता है। इनके ग्रन्थ का अरबी, फारसी, उर्दू, अँग्रेजी, हिन्दी इत्यादि भाषाओं में अनुवाद हो चुका है।*

20. निम्नलिखित में से कौन-सा प्राचीन जनपद राजस्थान में स्थित है ?
(A) अवन्ति (B) मत्स्य
(C) पांचाल (D) कम्बोज

व्याख्या—(B) *मत्स्य जनपद राजस्थान राज्य के जयपुर जिले में स्थित है। मत्स्य जनपद की राजधानी* ***विराटनगर*** *थी।*

व्याख्या—(D) *सर्वप्रथम **सर विलियम जोन्स** ने 1793 ई. में सैण्ड्रोकोट्स की पहचान चन्द्रगुप्त मौर्य से की है।*

14. चन्द्रगुप्त मौर्य के रथ पर किस रंग का झण्डा होता था ?
(A) गुलाबी (B) लाल
(C) हरा (D) सफेद

व्याख्या—(D) *चन्द्रगुप्त मौर्य के रथ पर सफेद रंग का झण्डा होता था।*

15. निम्नलिखित में से गलत मिलान को छाँटिए—
(A) व हत्कथामंजरी — क्षेमेन्द्र
(B) महाभाष्य — सोमदेव
(C) मुद्राराक्षस — विशाखदत्त
(D) अर्थशास्त्र — कौटिल्य

व्याख्या—(B) ***महाभाष्य** की रचना **पतंजलि** ने की है न कि सोमदेव ने की।*

16. निम्नलिखित में से किसमें चन्द्रगुप्त मौर्य को 'व षल' कहा है ?
(A) मुद्राराक्षस (B) ब्राह्मण साहित्य
(C) बौद्ध साहित्य (D) जैन साहित्य

व्याख्या—(A) *चन्द्रगुप्त मौर्य को किसमें क्या कहा गया—*

शूद्र	—	ब्राह्मण साहित्य
क्षत्रिय	—	बौद्ध, जैन ग्रन्थ
व षल	—	विशाखदत्त क त मुद्राराक्षस

17. निम्नलिखित में से किसने कहा कि "चन्द्रगुप्त ने छह लाख की सेना लेकर सम्पूर्ण भारत को रौंद डाला" ?
(A) स्ट्रैबो (B) कौटिल्य
(C) कार्टियस (D) प्लूटार्क

व्याख्या—(D) *यूनानी लेखक **प्लूटार्क** एवं **जस्टिन** के अनुसार, **"चन्द्रगुप्त ने छह लाख की सेना लेकर सम्पूर्ण भारत को रौंद डाला।"***

18. निम्नलिखित में कौन-सा प्रदेश सेल्यूकस ने चन्द्रगुप्त मौर्य को उपहार में नहीं दिया ?
(A) अराकोसिया (B) जेड्रोसिया
(C) कश्मीर (D) पेरोपनिसडाई

व्याख्या—(C) *305 ई. पू. में चन्द्रगुप्त ने तत्कालीन शासक सेल्यूकस निकेटर को पराजित किया। सन्धि हो जाने के पश्चात् सेल्यूकस ने चन्द्रगुप्त से 500 हाथी लेकर बदले में **एरिया (हेरात), अराकोसिया (कान्धार), जेड्रोसिया** एवं **पेरोपनिसडाई (काबुल)** के कुछ भाग दिये।*

19. कथन (A) : सेल्यूकस ने अपनी पुत्री का विवाह चन्द्रगुप्त मौर्य से किया।
कारण (R) : सेल्यूकस ने उपहार में एरिया, अराकोसिया, जेड्रोसिया एवं पेरोपनिसडाई के क्षेत्र दिये।
कूट :
(A) कथन (A) तथा कारण (R) सही हैं और कथन (A) कारण (R) की सही व्याख्या है।
(B) कथन (A) तथा कारण (R) सही हैं परन्तु कथन (A) तथा कारण (R) की सही व्याख्या नहीं हैं
(C) कथन (A) सही है तथा कारण (R) गलत है
(D) कथन (A) गलत है तथा कारण (R) सही है

व्याख्या—(A) *चन्द्रगुप्त मौर्य और सेल्यूकस दोनों के बीच वैवाहिक सम्बन्ध स्थापित हुए। सेल्यूकस ने अपनी पुत्री **'एथेना'** का विवाह चन्द्रगुप्त मौर्य से करके उसे चारों प्रान्त **एरिया, अराकोसिया, जेड्रोसिया** एवं **पेरोपनिसडाई** के क्षेत्र दहेज के रूप में दिये।*

20. सेल्यूकस ने किसको राजदूत के रूप में चन्द्रगुप्त के दरबार में भेजा ?
(A) जस्टिन (B) प्लूटार्क
(C) मेगस्थनीज (D) चाणक्य

व्याख्या—(C) *सेल्यूकस ने **मेगस्थनीज** को अपने दूत के रूप में चन्द्रगुप्त मौर्य के दरबार में भेजा। सेल्यूकस और चन्द्रगुप्त मौर्य के युद्ध का वर्णन **एप्पियानस** ने किया है।*

21. चन्द्रगुप्त मौर्य के दक्षिण भारत की विजय का वर्णन कहाँ से प्राप्त होता है ?
(A) अहनानूर (B) महाभाष्य
(C) कथासरित्सागर (D) अर्थशास्त्र

व्याख्या—(A) *चन्द्रगुप्त मौर्य की दक्षिण भारत विजय के विषय में जानकारी तमिल ग्रन्थ **अहनानूर** एवं **मुरनानूर** तथा **अशोक के अभिलेखों** से प्राप्त होती है।*

22. निम्नलिखित में से किस स्थान पर चन्द्रगुप्त मौर्य ने अपने प्राण त्याग दिये ?
(A) बनारस (B) पाटलिपुत्र
(C) उज्जैन (D) श्रवणवेलगोला

व्याख्या—(D) *जैन लेखों के अनुसार चन्द्रगुप्त मौर्य के शासनकाल के अन्त में मगध में भीषण अकाल पड़ा था जिस कारण चन्द्रगुप्त मौर्य अपने जीवन के अन्तिम समय में अपने पुत्र बिन्दुसार के पक्ष में सिंहासन त्यागकर जैन धर्म के पुरोहित **भद्रबाहु** के साथ **श्रवणवेलगोला (कर्नाटक)** जाकर **संलेखना (उपवास)** विधि द्वारा शरीर त्याग दिया।*

23. निम्नलिखित में से किसको 'अमित्रघात' कहा गया है ?
(A) चन्द्रगुप्त मौर्य (B) बिन्दुसार
(C) अशोक (D) चाणक्य

व्याख्या—(B) *चन्द्रगुप्त मौर्य की म त्यु के पश्चात् उसका पुत्र **बिन्दुसार** शासक बना। यूनानी लेखक उसे **अमित्रोक्रेडीज** तथा संस्क त में उसे **अमित्रघात** तथा जैन ग्रन्थों में **सिंहसेन** कहा गया है।*

24. निम्नलिखित में से किसने कहा कि चन्द्रगुप्त मौर्य की सेना **'डाकुओं का गिरोह'** थी ?
(A) जस्टिन (B) कौटिल्य
(C) विशाखदत्त (D) मेगस्थनीज

व्याख्या—(A) ***जस्टिन** के अनुसार चन्द्रगुप्त मौर्य की सेना **'डाकुओं का गिरोह' (A band of robbers)** थी। **जस्टिन** ने ही चन्द्रगुप्त मौर्य और सिकन्दर महान् की भेंट का उल्लेख किया है।*

से निव त्ति, विश्व कल्याण, दया, सत्य, कर्म शुद्धि ही धम्म है। साधु स्वभाव, कल्याणकारी कार्य, व्यवहार में म दुता, प्राणियों का वध न करना, माता-पिता एवं बड़ों की आज्ञा मानना, गुरुजनों के प्रति आदर, मित्र, परिचितों, सम्बन्धियों, ब्राह्मणों एवं श्रवणों के प्रति दानशीलता एवं उचित व्यवहार आदि।"

36. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिये कूट का उपयोग कर सही उत्तर का चयन कीजिए—

सूची-I (शासक)	**सूची-II (यवन राजदूत)**
a. चन्द्रगुप्त मौर्य	1. हेलियोडोरस
b. बिन्दुसार	2. डायमेकस
c. अशोक	3. डायनोसियस
d. भागभद्र	4. मेगस्थनीज

कूट :

	a	b	c	d
(A)	1	2	3	4
(B)	2	3	4	1
(C)	4	2	3	1
(D)	4	1	2	3

व्याख्या—(C) *(1) यवन के निवासी **हेलियोडोरस** ने वासुदेव के सम्मान में विदिशा के पास **बेसनगर** में गरुड़ स्तम्भ का निर्माण करवाया था।*
*(2) मिस्र के राजा टॉलमी द्वितीय **फिलाडेल्फस** ने **डायनोसियस** नामक राजदूत **बिन्दुसार** तथा **अशोक** के समय में भारत आया था।*
*(3) सीरिया के राजा एण्टियोकस ने **डायमेकस** नामक राजदूत को **बिन्दुसार** के दरबार में भेजा था।*
*(4) सेल्यूकस निकेटर द्वारा **मेगस्थनीज** को **चन्द्रगुप्त मौर्य** की सभा में भेजा था।*

37. अर्थशास्त्र राजा को परामर्श देता है—
(A) सभी के प्रति उदार होना
(B) सुखमय जीवनयापन करना
(C) सम्पूर्ण शक्ति को अपने हाथ में ग्रहण करना
(D) विश्व-बन्धुत्व का प्रचार करना

व्याख्या—(C) *कौटिल्य ने अपने ग्रन्थ 'अर्थशास्त्र' के छठे अधिकरण में राज्य के सप्तांगों में **स्वामी, अमात्य, राष्ट्र, दुर्ग, बल, कोष** तथा **मित्र** पर बल दिया है। कौटिल्य ने इसी आधार पर राजा को परामर्श दिया है कि वह सम्पूर्ण शक्ति को अपने हाथ में केन्द्रित करे।*

38. मौर्य काल में शिक्षा का सर्वाधिक प्रसिद्ध केन्द्र कौन-सा था ?
(A) तक्षशिला (B) उज्जयिनी
(C) नालन्दा (D) बल्लभी

व्याख्या—(A) *सिन्धु व झेलम नदियों के बीच स्थित **तक्षशिला** विश्वविद्यालय वर्तमान में पाकिस्तान के रावलपिण्डी जिले में स्थित है। तक्षशिला प्राचीनकाल में शिक्षा के लिए विश्वविख्यात केन्द्र था। यहाँ पर विश्व के कोने-कोने से छात्र शिक्षा ग्रहण करने आते थे। यहीं पर ही कोशल नरेश प्रसेनजित, राजवैद्य जीवक, राजनीतिविद् चाणक्य आदि ने शिक्षा प्राप्त की थी। चाणक्य बाद में यहीं का प्रमुख आचार्य हुआ।*

39. सूची-I (अशोक के शिलालेख) को सूची-II (विवरण) के साथ सुमेलित कीजिए और सूचियों के नीचे दिये गये कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए—

सूची-I	**सूची-II**
a. प्रथम शिलालेख	1. पशु बलियों की भर्त्सना
b. त तीय शिलालेख	2. धर्म के सिद्धान्त
c. पंचम शिलालेख	3. धर्म महामात्रों की नियुक्ति
d. सप्तम शिलालेख	4. अशोक की तीर्थयात्राएँ

कूट :

	a	b	c	d
(A)	1	3	2	4
(B)	4	2	3	1
(C)	1	2	3	4
(D)	4	3	2	1

व्याख्या—(C) ***शिलालेख—***
***प्रथम शिलालेख**—पशुबलि की निन्दा की गयी है।*
***त तीय शिलालेख**—अशोक ने अपने राजकीय अधिकारियों को यह आदेश दिया है कि हर पाँच वर्ष बाद राजकीय दौरे पर जायें।*
***पंचम शिलालेख**—धर्म महामात्रों की नियुक्ति की जानकारी मिलती है। मौर्यकालीन समाज एवं वर्ण व्यवस्था का वर्णन मिलता है।*
***सप्तम शिलालेख**—अशोक की तीर्थयात्राओं का वर्णन तथा सभी पंथों के मध्य आत्मनियन्त्रण और मन की पवित्रता होनी चाहिए।*

40. अशोक के अभिलेखों से किस एकमात्र (अभिलेख) लेखक का परिचय मिलता है ?
(A) हरिषेण (B) रविकीर्ति
(C) चापड़ (D) क पाण चाम

व्याख्या—(C) ***चापड़** नामक एकमात्र लेखक का वर्णन अशोक के शिलालेख में मिलता है।*

41. निम्न में से अशोक का कौन-सा एक अभिलेख इशिला नामक प्राचीन नगर का उल्लेख करता है ?
(A) मास्की शिलालेख (B) पांगोररिया
(C) उदेगोलम (D) ब्रह्मगिरि

व्याख्या—(D) *इशिला का उल्लेख **ब्रह्मगिरि** शिलालेख में है। इशिला प्राचीन काल में एक नगर था।*